twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | गुरूवार, 31 जुलाई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 255, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

बिहार में मॉनसून हुआ सक्रिय

पटना

बिहार में मानसून पूरी तरह एक्टिव हो गया है, जिसकी वजह से राजधानी पटना सहित कई जिलों में भारी बारिश का दौर जारी है। सोमवार देर रात हुई बारिश ने पटना को पानी-पानी कर दिया, जिससे कई इलाके, जैसे राजेंद्र नगर और कंकड़बाग, तालाब और झील में तब्दील हो गए। सड़कों पर जलभराव से यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, पटना और पूसा के ग्रामीण मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले 1-2 दिनों तक पटना में रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है। दक्षिण बिहार में मानसून की मजबूत स्थिति के कारण भारी बारिश हो रही है, जबकि उत्तर बिहार में यह कमजोर पड़ रहा है। आईएमडी ने 29 जुलाई यानि आज बिहार के कई जिलों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। जमुई, बांका, भागलपुर, और अररिया में कई स्थानों पर बहुत भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा नवादा और मुंगेर जैसे जिलों में भी एक-दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना के साथ येलो अलर्ट जारी है। दक्षिण बिहार के जिलों में 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने और वज्रपात की आशंका को देखते हुए भी येलो अलर्ट लागू है। अगले 3-5 दिनों तक बिहार के विभिन्न हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश का अनुमान है पटना में सोमवार को 106 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिसने शहर के निचले इलाकों को जलमग्न कर दिया। पटना जंक्शन पर रेलवे ट्रैक पर पानी जमा होने और नवादा के सदर अस्पताल में वार्डों में पानी घुसने से मरीजों और यात्रियों को भारी दिक्कत हुई। स्थानीय प्रशासन ने जल निकासी के लिए पंप लगाए हैं, लेकिन कंकड़बाग और राजेंद्र नगर जैसे क्षेत्रों में जलभराव की समस्या बरकरार है। देर रात शहरी विकास मंत्री जीवेश मिश्रा ने जलभराव वाले इलाके में स्वयं दौरा कर अधिकारियों को अविलंब कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

भागलपुर में सोमवार को 62 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया और अधिकतम तापमान में कमी आई। बीएयू के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा के नोडल अधिकारी ने बताया है कि 30 जुलाई तक बादल ऐसे ही छाए रहेंगे और एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

खरगे ने सरकार पर लगाया विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप

सरकार को बताना चाहिए कि यह सीजफायर किन शर्तों पर हुआ और किसके कहने पर हुआ

नई दिल्ली

राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान को विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान नेता सदन जेपी नड्डा और खरगे के बीच तीखी बहस देखने को मिली। नड्डा ने खरगे पर निशाना साधा और ऐसी टिप्पणी कर दी जिसपर विपक्षी सदस्य भड़क गए। हालांकि नड्डा ने अपना बयान वापस लेते हुए सदन में उनसे माफी भी मांग ली। खरगे ने कहा कि पहलगाम मामले का भाजपा राजनीतिकरण कर रही है। हर बयान में राजनीतिकी बात करते हैं इन सब से उनकी बात बननी वाली नहीं है। किसी को दोष देकर अपनी जिम्मेदारी से सरकार नहीं भाग सकती। खरगे ने सरकार पर विपक्ष की आवाज को दबाने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज लोकतंत्र की आत्मा को कुचलने की कोशिश की जा रही है। खरगे ने तीखे लहजे में कहा, आज के प्रधानमंत्री विपक्ष की बात सुनने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी कोई संवेदनशील मुद्दा आता है, मोदी सरकार या तो भाग जाती है या फिर चुप्पी साध लेती है। उन्होंने कहा कि ये लोग ना तो विशेष सत्र बुलाते हैं और ना सच्चाई सामने लाते हैं। यहां तक कि जब सर्वदलीय मीटिंग होती है तो प्रधानमंत्री मोदी चुनाव प्रचार में

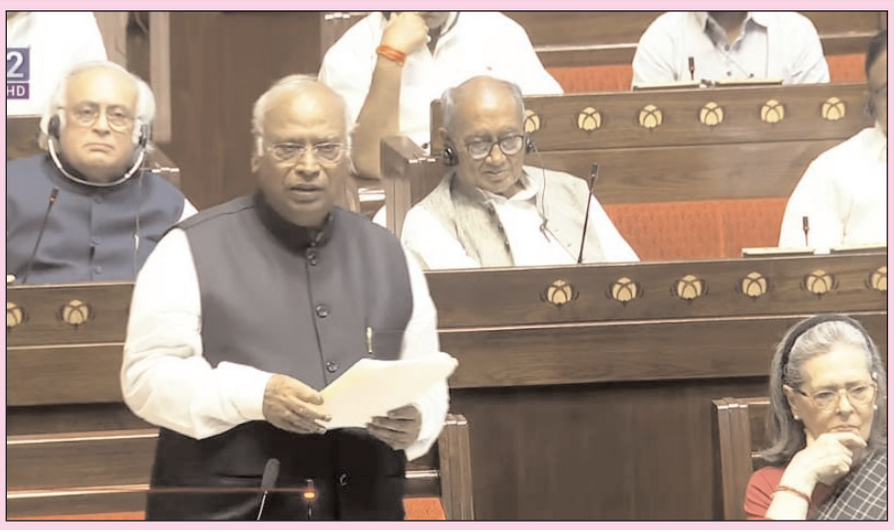

व्यस्त हो जाते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि 24 अप्रैल को सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। पूरा विपक्ष मीटिंग में था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी नहीं आए। वे सउदी अरब से लौटते ही बिहार में रैली करने चले गए। क्या राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति प्रधानमंत्री की यही गंभीरता है? वर्ष 2016 में उरी और पठानकोट में आतंकी हमला हुआ। वर्ष 2019 में पुलवामा में आतंकी हमला हुआ। 2025 में पहलगाम में आतंकी हमला हुआ। इन सभी घटनाओं से साफ है कि बार-बार देश की सुरक्षा में चूक हो रही है। इन घटनाओं के लिए गृहमंत्री जिम्मेदार हैं। इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए और उन्हें कुर्सी छोड़ देनी चाहिए। सीजफायर पर खरगे ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान को घुटने के बल ला दिया, लेकिन फिर युद्ध विराम की घोषणा होती है। यह युद्धविराम की घोषणा न ही प्रधानमंत्री की ओर से होती है और न ही विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री की तरफ से। युद्ध विराम की घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करते हैं। और यह बात वे 30 बार दोहरा चुके हैं। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि ट्रेड का इस्तेमाल कर युद्ध रुकवाया। व्यापार की बात किसके फायदे के लिए हुई। इस बात का जवाब सरकार को देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गालियों तक का हिसाब रखते हैं, लेकिन भारत के सम्मान के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ क्यों चुप्पी साधे बैठे। क्यों नहीं निंदा की।

विदेश नीति के खिलाफ क्यों गए। खरगे ने पूछा कि सरकार को बताना चाहिए कि यह सीजफायर किन शर्तों पर हुआ और किसके कहने पर हुआ। अगर अमेरिका के हस्तक्षेप के कारण हुआ तो देश की विदेश नीति का क्या हुआ। क्या हमें आर्थिक तौर पर धमकी मिली। खरगे ने कहा कि ईवेंटबाजी से देश नहीं चलता, विदेश नीति बनानी होगी। इंदिरागांधी से तुलना करते हैं तो प्रधानमंत्री को विदेश नीति पक्का करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पहलगाम के मुद्दे पर एक भी देश यहां तक की अमेरिका ने भी पाकिस्तान की निंदा नहीं की।

लोग सरकार भरोसे कश्मीर गए, सरकार ने भगवान भरोसे छोड़ा: सांसद प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने को पहलगाम हमले को केन्द्र सरकार की बड़ी विफलता बताया और कहा कि गृहमंत्री और केन्द्र सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कटाक्ष किया कि नेतृत्व श्रेय लेने से नहीं बल्कि जिम्मेदारी लेने से बनता है। देश को प्रतिशोध के साथ ही सभी के प्राणों की रक्षा का प्रण चाहिए। सेना की शक्ति के साथ ही सरकार की सच्चाई भी चाहिए। प्रियंका गांधी ने लोकसभा में पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के सशक्त, सफल और निर्णायक ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में आज भाग लिया। मुंबई हमलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आतंकी घटना के बाद महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री और केन्द्रीय गृहमंत्री ने इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री को पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने केन्द्र सरकार से अपनी जिम्मेदारियों और देश को सच बताने के कर्तव्य से भागने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, उपलब्धियों का श्रेय लेने से नेतृत्व मजबूत नहीं होता, बल्कि सफलता और विफलता दोनों की जिम्मेदारी

लेने से होता है। यह सोने का नहीं बल्कि कांटों का ताज है। प्रियंका ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सफल कूटनीति से अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन का मुकाबला किया गया। पाकिस्तान का विभाजन कर, बांग्लादेश बनाया और एक लाख पाकिस्तानी सैनिकों का आत्मसमर्पण करवाया, लेकिन इंदिरा गांधी ने कभी इसका श्रेय लेने की कोशिश नहीं की। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार हमेशा सवालों से बचने की कोशिश करती है। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारे जहाजों को हुए नुकसान के बारे में सरकार को साफ-साफ जवाब देना चाहिए। प्रियंका ने गृहमंत्री अमित शाह के बटला हाउस मुठभेड़ पर सोनिया गांधी को लेकर की गई टिप्पणियों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सदन में उनकी मां के आंसुओं की बात की गयी। उनकी मां के आंसू तब गिरे, जब उनके पति को आतंकवादियों ने शहीद किया, जब वे सिर्फ 44 साल की थीं। आज मैं इस सदन में खड़ी होकर उन 26 लोगों की बात इसलिए कर रही हूं, क्योंकि मैं उनका दर्द जानती हूं और उसे महसूस करती हूं। कांग्रेस सदस्य प्रियंका ने कहा कि सरकार कह रही है कि ऑपरेशन सिंदूर का मकसद पाकिस्तान को सबक सिखाना था।

बाघ हमारी जैव विविधता के प्रहरी हैं: केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि बाघ सिर्फ एक वन्यजीव नहीं बल्कि हमारी जैव विविधता के प्रहरी हैं। उनका संरक्षण केवल एक प्रजाति का संरक्षण नहीं बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने का उपाय है। भारत ने इस दिशा में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाई है। अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर दिल्ली के राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भूपेन्द्र यादव बोल रहे थे। इस मौके पर केंद्रीय विदेश तथा पर्यावरण, वन व जलवायु

परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह, मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार, वन महानिदेशक एस.के. अवस्थी, और अनेक वरिष्ठ अधिकारी, वन कर्मी व पर्यावरणविद भी उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सभी गणमान्य अतिथियों, स्कूली छात्रों और वन विभाग के अधिकारियों ने पौधरोपण किया। इस मौके पर भूपेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत में बाघ अभयारण्यों की संख्या 2014 में 46 से बढ़कर अब तक 58 हो गई है। यह वृद्धि हमारे राष्ट्रीय पशु की रक्षा के प्रति प्रधानमंत्री की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

वन्यजीवों के संरक्षण का केन्द्र बना मध्य प्रदेश: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश को टाइगर स्टेट का गौरव प्राप्त है। हमारे राज्य में नौ टाइगर रिजर्व हैं। बाघ सहित सभी वन्यजीवों की संख्या निरंतर बढ़ रही है और इनके संरक्षण और उनके बेहतर प्रबंधन के आदर्श केन्द्र के रूप में मध्य प्रदेश की पहचान बनी है। वन्यजीव संरक्षण के लिए स्थानीय समुदाय की सहभागिता को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार के इन प्रयासों से पारिस्थितिकी तंत्र के मजबूत होने के साथ प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को भी प्रोत्साहन

मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को ह्यअंतरराष्ट्रीय बाघ दिवसह्न के अवसर पर भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और प्रदेशवासियों को नागपंचमी की बधाई दी। इस दौरान उन्होंने वन्यजीवों के परिवहन के लिए तीन वन्यजीव वाहन, तीन वन्य जीव चिकित्सा वाहन और दो डॉग स्क्वाड रेस्क्यू वाहनों का लोकार्पण किया। उन्होंने वन्यजीव परिवहन के लिए वाहनों में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी भी प्राप्त की

वनकर्मियों के अथक प्रयासों से प्रदेश वन क्षेत्र और वन्यजीवों से हो रहा समृद्ध-मुख्यमंत्री ने कहा कि वनकर्मियों के अथक प्रयासों से प्रदेश में वन क्षेत्र समृद्ध हो रहा है और वन्यजीवों की संख्या भी बढ़ रही है।

मध्य प्रदेश बाघ और मनुष्य के एक साथ रहने के उदाहरण के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच को क्रियान्वित करते हुए प्रदेश चीतों के पुनर्स्थापन में भी सफल रहा है। राज्य में रातापानी को आठवें टाइगर अभ्यारण्य का दर्जा मिला है।

भारत में तेल और गैस अन्वेषण में नई तेजी देखी जा रही है: हरदीप

नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने को कहा कि भारत में तेल और गैस अन्वेषण में, विशेष रूप से अपतटीय क्षेत्रों में, नए सिरे से वृद्धि देखी जा रही है, जो देश की विशाल अप्रयुक्त हाइड्रोकार्बन क्षमता को रेखांकित करता है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने को राज्यसभा में एक तारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

पुरी ने कहा कि 2015 से अब तक 172 हाइड्रोकार्बन क्षेत्र की खोज की गई, जिनमें से 62 अपतटीय क्षेत्र में हैं। उन्होंने कहा कि भारत के ऊर्जा अन्वेषण में अंडमान बेसिन प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभरा है।

पुरी ने सदन को बताया कि वर्ष 2022 में लगभग दस लाख वर्ग किलोमीटर के पूर्व 'नो-गो' (निषिद्ध क्षेत्र) अपतटीय क्षेत्रों को खोलना महत्वपूर्ण कदम रहा है। इससे खासकर अंडमान-निकोबार अपतटीय बेसिन (थाले क्षेत्र) जैसे गहरे समुद्र और सीमांत क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अन्वेषण सीमाएं खुल गई हैं और अपतटीय अन्वेषण गतिविधि में तेजी आई है। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि वर्ष 2015 से भारत में कार्यरत अन्वेषण और उत्पादन कंपनियों ने 172 हाइड्रोकार्बन क्षेत्र खोजे हैं, जिनमें 62 अपतटीय क्षेत्रों में हैं।

सीएम धामी ने खटीमा में नवनिर्मित पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय का किया लोकार्पण

देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अखिल भारतीय शिक्षा समागम के अन्तर्गत आयोजित एक कार्यक्रम में 26.23 करोड़ की लागत से खटीमा में निर्मित केंद्रीय विद्यालय का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देश में शिक्षा के क्षेत्र में आई नई क्रांति के पांच वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर

खटीमा में भी ज्ञान और विज्ञान के नए युग का आरंभ हो रहा है। मुख्यमंत्री ने खटीमा को केंद्रीय विद्यालय की सौगात देने के सभी खटीमावासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्यालय की शिक्षा हमारी सेना, अर्द्धसैनिक बलों तथा उन तमाम कार्मिकों के बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

अकाली नेता मजीठिया को हाई कोर्ट से नहीं मिली राहत

चंडीगढ़। आय से अधिक संपत्ति के मामले में जेल में बंद अकाली नेता बिक्रमजीत सिंह मजीठिया को पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट से राहत नहीं मिल सकी है। को मजीठिया की याचिका पर सुनवाई के दौरान उनके वकीलों ने याचिका में संशोधन के लिए कोर्ट से चार हफ्ते का समय मांगा।

बिहार कैबिनेट: पत्रकार पेंशन योजना में बदलाव की स्वीकृति

पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में को संपन्न मंत्रिमंडल की बैठक में राजगीर खेल अकादमी के लिए 1100 (ग्यारह सौ) करोड़ रुपये की मंजूरी और पत्रकार पेंशन योजना में बदलाव को स्वीकृति सहित कुल 41 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई है। नीतीश कुमार मंत्रिमंडल की को हुई बैठक में सबसे बड़ी घोषणा पत्रकारों की पेंशन योजना को लेकर रही। मुख्यमंत्री द्वारा कुछ दिनों पहले ही पात्र पत्रकारो की पेंशन को 6000 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये करने की घोषणा की गई थी, जिसे अब कैबिनेट ने औपचारिक मंजूरी दे दी है। सरकार की के इस फैसले से राज्य के वरिष्ठ पत्रकारों को बड़ी राहत मिलने वाली है। इसके साथ ही राजगीर में खेल अकादमी की स्थापना के लिए 1100 (ग्यारह सौ) करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई है, जिससे राज्य के खेल क्षेत्र को नया आयाम

कैबिनेट की बैठक में पर्यटन विभाग की ओर से सीतामढ़ी जिला में पुनौरा धाम मंदिर के पास पर्यटकीय विकास एवं आधारभूत संरचनाओं के निर्माण के लिए 50.50 एकड़ भूमि अधिग्रहित करने के लिए 120 करोड़ 58 लाख 67,175 रुपये की राशि को संशोधित करते हुए, 50 एकड़ भूमि अधिग्रहित के नामित राशि 165 करोड़ 57 लाख 16 हजार 104 रुपये किया गया। पटना से एम्स एनएच-98 से दीघा रेल सह सड़क पुल से अशोक राजपथ के अतिरिक्त कनेक्टिविटी के लिए 1,368 करोड़ 46 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। बिहार राज्य युवा आयोग में 6 नए पदों को भी स्वीकृति दी गई है, जो युवाओं की आवाज को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुंगेर के प्रसिद्ध सीताकुंड मेले को राष्ट्रीय मेले का दर्जा दिया गया है। इसके अलावा छह डॉक्टरों को उनके कार्य से मुक्त कर दिया गया है, जो स्वास्थ्य विभाग में बदलाव की ओर इशारा करता है।

झारखंड के देवघर में बस और ट्रक की टक्कर, छह कांवड़ियों की मौत, 23 घायल

एजेंसी

देवघर। झारखंड के देवघर जिले के मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया के पास मंगलवार सुबह कांवड़ियों से भरी बस और गैस सिलेंडर लदे ट्रक के बीच भीषण टक्कर में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई। दुर्घटना में 23 लोग घायल हैं, जिनमें आठ की हालत गंभीर है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भेजा गया है। मृतकों में सुभाष तुरी (40) पिता दुखी तुरी निवासी गांव चकरमा थाना मोहनपुर जिला देवघर (बस चालक), दुर्गावती देवी (45) पति गामा धांगर निवासी गांव मतराजी थाना लोकरिया जिला पश्चिम चंपारण, बिहार, सुमन कुमारी (30) पति सुनील कुमार दास निवासी गांव सनोरा थाना पड़ैया जिला गयाजी, बिहार, समदा देवी (40) पति देवकी प्रसाद निवासी गांव तरेगना थाना धनरूआ जिला पटना, बिहार, पीयूष कुमार उर्फ शिवराज (15) पिता सुनील पंडित निवासी गांव महनार जिला वैशाली, बिहार और बिहार के ही पटना जिले के धनरूआ थाना क्षेत्र के तरेगना गांव निवासी देवकी प्रसाद शामिल हैं। देवकी प्रसाद की एम्स ले जाने के क्रम में मौत हो गयी। एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग ने बताया कि दुर्घटना में छह लोगों की मौत हुई है। कुल 23 लोग घायल हैं। इनमें आठ की हालत गंभीर है। देवघर एसडीओ रवि कुमार ने बताया कि श्रद्धालु देवघर के बाबा धाम मंदिर से दर्शन कर बासुकिनाथ धाम जा रहे थे। इसी बीच सुबह करीब साढ़े पांच बजे

चालक को झपकी आयी और बस अनियंत्रित होकर गैस सिलेंडर लदे एक ट्रक से जा टकरायी। इसके बाद बस कुछ दूर आगे गयी और ईंट रखे ढेर से टकरा गयी। हादसे में अबतक छह लोगों की मौत हुई है। 23 लोग घायल हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल आठ लोगों का इलाज एम्स में चल रहा है। अन्य घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।राज्यपाल संतोष गंगवार ने बस दुर्घटना में श्रद्धालुओं की मौत पर शोक जताया है। सोशल मीडिया एक्स पर उन्होंने कहा कि देवघर से बासुकीनाथ जा रही कांवड़ियों की बस दुर्घटना में कई श्रद्धालुओं के निधन का समाचार अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है। मैं शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं तथा बाबा भोलेनाथ से घायल श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बस दुर्घटना में श्रद्धालुओं की मौत पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि आज सुबह देवघर के मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास बस दुर्घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु की अत्यंत दुःखद सूचना मिली है। जिला प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य के साथ घायलों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है। बाबा बैद्यनाथ दुर्घटना में मरने वाले श्रद्धालुओं की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की मुलाकात,राजस्थान के विकास पर चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली/जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मिलकर राजस्थान के विकास पर चर्चा की। सीएम ने

उनके दूरदर्शी नेतृत्व एवं निरंतर सहयोग के लिए राजस्थान की ओर से हृदय से आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत ने नई ऊंचाइयों को छूते हुए विश्वपटल पर अग्रणी राष्ट्र के रूप में स्वयं को स्थापित किया है। उनके कुशल मार्गदर्शन में पिछले डेढ़ वर्ष से राजस्थान निरंतर विकास की सभी बाधाओं को पार करता जा रहा है और नई ऊंचाइयां छू रहा है। हमारी डबल इंजन की सरकार लगातार राजस्थान को एक आदर्श राज्य बनाने की दिशा में कार्य कर रही है, जहां प्रत्येक किसान, युवा, महिला, गरीब और वंचित वर्ग को न्याय मिल रहा है और वे अपनी पूर्ण क्षमता के साथ सम्मान युक्त जीवन जी रहे हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने आने वाले समय में राजस्थान को और अधिक सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

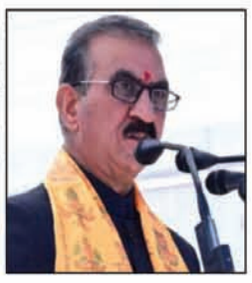

मंडी के जेल रोड में बादल फटने की घटना अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक : सीएम सुक्खू

मंडी । हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू कार्यालय की ओर से मंगलवार को मंडी जिले में बादल फटने से हुई लोगों की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके इस हादसे के संबंध में दुख जाहिर किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से कहा गया, जिला मंडी के जेल रोड में बादल फटने की घटना अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है। इसमें दो लोगों की मृत्यु हो गई है और एक व्यक्ति के लापता होने की सूचना है, जिसकी तलाश के लिए बचाव दल युद्धस्तर पर प्रयासरत हैं। कई वाहन भी मलबे में दब गए हैं। कार्यालय की ओर से आगे कहा गया, शोक-संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहन संवेदनाएं हैं। प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। राहत एवं बचाव कार्यों को तेजी से संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। मैं स्वयं स्थिति की

लगातार निगरानी कर रहा हूं और सभी आवश्यक सहायता तुरंत उपलब्ध कराई जा रही है।÷ सीएमओ की ओर से कहा गया, राहत कार्यों में जुटे स्थानीय लोगों का भी मैं आभार व्यक्त करता हूं। प्रदेश सरकार इस कठिन समय में प्रभावित लोगों के साथ मज़बूती से खड़ी है। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और सतर्क रहें।÷ बता दें कि सोमवार रात से हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। मंडी में भी भारी बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं। इसी बीच फ्लैश फ्लड की घटना हुई। फिलहाल जिला प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। जानकारी के मुताबिक, मंडी के जेल रोड इलाके में अपनी गाड़ियों को निकालने के लिए कुछ लोग नाले के पास पहुंचे थे। इसी दौरान वे फ्लैश फ्लड की चपेट में आ गए। दो लोगों के शवों को निकाला जा चुका है, जबकि एक व्यक्ति का शव गाड़ियों के बीच फंसे होने की संभावना है। तस्वीरों में नजर आया कि सड़कों पर पानी और मलबा दरिया की तरह बह रहा है। मंडी में मूसलधार बारिश के चलते कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात हैं। जेल रोड इलाके में पहाड़ों से पानी के साथ गाद और कीचड़ जैसा मलबा नीचे आया, जिसमें दर्जनों गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। मूसलाधार बारिश सोमवार रात करीब 11 बजे शुरू हुई और सुबह 4 बजे तक तेज हो गई, जिससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। बताया जाता है कि सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से एक मंडी का जोनल अस्पताल है, जहां नाले ओवरफ्लो होने के कारण परिसर में पानी भर गया। फ्लैश फ्लड और भूस्खलन के कारण जिले में कई रास्ते बंद हुए हैं। गंभीर हालातों के बाद कुछ क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों के लिए भी खतरा बढ़ गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) और राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, 28 जुलाई की शाम तक राज्यभर में 200 सड़कें अवरुद्ध रहीं।

मुर्मु और मोदी ने दिव्या देशमुख को बधाई दी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को फिडे महिला विश्व कप जीतने तथा कोनेरू हम्पी को उपविजेता बनने के लिए बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि दिव्या ने हमवतन ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी को हराकर फिडे महिला विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। दिव्या फिडे महिला विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गयी है। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर अपने बधाई संदेश में कहा, दिव्या देशमुख को मेरी हार्दिक बधाई, जो फिडे महिला विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं, वह भी मात्र उन्नीस वर्ष की आयु में। कोनेरू हम्पी उपविजेता रहीं, और शतरंज विश्व चैंपियनशिप की दोनों फाइनलिस्ट भारत से थीं। यह हमारे देश में विशेषकर महिलाओं में, प्रतिभा को दर्शाता है। मैं कोनेरू हम्पी की सराहना करती हूं जिन्होंने अपने शानदार करियर के दौरान उत्कृष्टता बनाए रखी है। मुझे विश्वास है कि ये दोनों महिला चैंपियन और भी गौरव हासिल करेंगी और हमारे युवाओं को प्रेरित करेंगी।

पाकिस्तान कांग्रेस की भूल : केंद्रीय गृहमंत्री

अगर विभाजन स्वीकार नहीं किया होता,तो पाकिस्तान नहीं बनता : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन सिंदूर पर हो रही चर्चा में कांग्रेस को उसकी 'गलती' याद दिलाई।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'पाकिस्तान कांग्रेस की गलती है। अगर उन्होंने विभाजन स्वीकार नहीं किया होता, तो आज पाकिस्तान नहीं होता।' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'कल वे (कांग्रेस) सवाल उठा रहे थे कि युद्ध क्यों नहीं किया...आज, PoK केवल जवाहरलाल नेहरू की वजह से मौजूद है...1960 में, उन्होंने सिंधु नदी का 80त्न पानी पाकिस्तान को दे दिया...1971 में, शिमला समझौते के दौरान, वे (कांग्रेस) PoK के बारे में भूल गए। अगर उन्होंने उस समय PoK ले लिया होता, तो हमें अब वहां शिविरों पर हमले नहीं करने पड़ते।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'एक संयुक्त ऑपरेशन महादेव में, भारतीय सेना, CRPF और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल तीन आतंकवादियों को मार गिराया है।' कल के ऑपरेशन में तीनों आतंकवादी - सुलेमान, अफगान और जिबरान मारे गए। जो लोग उन्हें खाना पहुंचाते थे, उन्हें पहले ही हिरासत में ले लिया गया था। जब इन आतंकवादियों के शव श्रीनगर लाए गए, तो हमारी एजेंसियों द्वारा हिरासत में रखे गए लोगों ने उनकी पहचान की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने

ऑपरेशन महादेव पर कहा, ... ऑपरेशन महादेव में सुलेमान उर्फ फैजल... अफगान और जिबरान, ये तीनों आतंकवादी भारतीय सेना, ष्ट्रक्क और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए... सुलेमान लश्कर-ए-तैयबा का ए-श्रेणी का कमांडर था। अफगान लश्कर-ए-तैयबा का ए-श्रेणी का आतंकवादी था। और जिबरान भी ए-ग्रेड का आतंकवादी था... बैसरन घाटी में जिन्होंने हमारे नागरिकों को मारा था, वह ये तीनों आतंकवादी थे और तीनों मारे गए। अमित शाह ने कहा, पहलगाम हमले के तुरंत बाद, मैंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात की थी। मैंने अपने सामने एक महिला को खड़ा देखा, जो अपनी शादी के 6 दिन बाद ही विधवा हो गई थी - मैं उस दृश्य को कभी नहीं भूल सकता। मैं आज सभी परिवारों को बताना चाहता हूं कि मोदी जी ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए उन लोगों को भेजने वालों को मारा, और आज हमारे सुरक्षा बलों ने उन लोगों को भी मारा जिन्होंने हत्याएं की थी।

शाह ने कहा, ...NIA ने उन्हें शरण देने वालों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। उन्हें खाना पहुंचाने वालों को हिरासत में लिया था। जब आतंकवादियों के शव श्रीनगर पहुंचे, तो उनकी पहचान पहलगाम में आतंकी हमला करने वाले तीन लोगों के रूप में हुई... आतंकी हमले के कारतूसों की स्नस्रु रिपोर्ट पहले से ही तैयार थी... कल तीनों आतंकवादियों की राइफलें जब्त कर ली गईं और उनका स्नस्रु रिपोर्ट से मिलान किया गया... कल चंडीगढ़ में आगे की जांच की गई, उसके बाद पुष्टि हुई कि ये तीनों वही थे जिन्होंने आतंकी हमला किया था लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ÷कल वे (कांग्रेस) हमसे पूछ रहे थे कि आतंकवादी कहां से आए और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। बेशक, यह हमारी जिम्मेदारी है क्योंकि हम सत्ता में हैं। मुझे बहुत दुख हुआ कि कल इस देश के पूर्व गृह मंत्री चिदंबरम जी ने सवाल उठाया कि क्या सबूत है कि ये आतंकी पाकिस्तान से आए थे। वे क्या कहना चाहते हैं? किसे बचाना चाहते हैं? पाकिस्तान को बचाकर आपको क्या मिलेगा।

'ऑपरेशन सिंदूर' बहस में कांग्रेस के अंदर ही घमासान, सांसद मनीष तिवारी ने कसा तंज

एजेंसी

नई दिल्ली । संसद में - ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के बीच कांग्रेस पार्टी अपने ही घर में घिर गई है। पार्टी के दिग्गज नेता शशि थरूर और मनीष तिवारी को कांग्रेस ने संसद में बहस के दौरान बोलने का मौका नहीं दिया, जो 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विदेश दौरों पर जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। अब मनीष तिवारी ने इस विषय को लेकर तंज कसा है। कांग्रेस सांसद मनोज तिवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक समाचार रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया। इसके साथ ही उन्होंने 1970 की हिट बॉलीवुड फिल्म 'पूरब और पश्चिम' के एक प्रतिष्ठित देशभक्ति गीत की कुछ पंक्तियों के साथ अपनी बात रखी। लिखा-, है प्रीत जहां की रीत सदा, मैं गीत वहां के गाता हूं, भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं। जय हिंद। शशि थरूर तिरुवनंतपुरम से सांसद हैं, मनीष तिवारी चंडीगढ़ से सांसद हैं। इन तीनों को ही कांग्रेस ने लोकसभा में पार्टी का पक्ष रखने का मौका नहीं दिया। समाचार रिपोर्ट

में सवाल उठाया गया था कि ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान कांग्रेस ने शशि थरूर और मनीष तिवारी को क्यों बाहर बैठाया? असल में 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता को वैश्विक स्तर पर बताने के लिए केंद्र सरकार ने प्रतिनिधिमंडल भेजे थे, जिसमें कांग्रेस के सांसद शशि थरूर, मनीष तिवारी, अमर सिंह, आनंद शर्मा और सलमान खुर्शीद भी शामिल थे। हालांकि, जब संसद में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा चल रही है, तो किसी भी नेता को कांग्रेस पार्टी के वक्ताओं की सूची में जगह नहीं मिली। रिपोर्ट में एक कांग्रेस सांसद के हवाले से कहा गया कि पार्टी ने चर्चा के दौरान संसद में बोलने के लिए नए सांसदों को चुना। ऐसा इसलिए कि विदेशों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधिमंडलों ने 'सरकार के पक्ष में बात की।' हालांकि, 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद कांग्रेस लगातार सरकार पर सवाल उठाती रही है।

राष्ट्रपति रेफरेंस मामलाः 19 अगस्त से दलीलें सुनेगा सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । राज्यपाल और राष्ट्रपति के पास विचाराधीन विधेयकों पर फैसले के लिए समयसीमा तय करने के मुद्दे में दायर राष्ट्रपति रेफरेंस मामले पर सुप्रीम कोर्ट 19 अगस्त से 10 सितंबर के बीच सुनवाई करेगा। यह मामला संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपालों और राष्ट्रपति की विधायी शक्तियों से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने यह सुनवाई संवैधानिक रेफरेंस पर तय की है। इसमें यह पूछा गया है कि राज्यपाल और राष्ट्रपति की ओर से राज्य विधानसभा से पारित विधेयकों पर कितने समय में फैसला लिया जाना चाहिए। लाइव लॉ के मुताबिक केरल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता केके वेणुगोपाल ने अदालत में कहा कि तमिलनाडु के राज्यपाल से जुड़े मामलों में रेफरेंस में उठाए गए 14 में से 11 प्रश्नों के जवाब पहले ही दिए जा चुके हैं। वहीं तमिलनाडु राज्य की ओर से सीनियर एडवोकेट डॉ. एएम सिंघवी और पी. विल्सन ने भी रेफरेंस

की वैधता पर सवाल उठाए। कोर्ट ने सभी पक्षों से 12 अगस्त तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने को कहा है। नोडल वकीलों के रूप में केंद्र की ओर से एडवोकेट अमन मेहता और विरोधी पक्ष की ओर से एडवोकेट मीशा रोहतगी को नियुक्त किया गया है, जो दोनों पक्षों की दलीलों का संकलन तैयार करेंगे। कोर्ट के आदेश के अनुसार, जो पक्ष राष्ट्रपति की ओर से भेजे गए इस मामले का समर्थन कर रहे हैं, उन्हें 19, 20, 21, और 26 अगस्त को सुना जाएगा। जो पक्ष इसके विरोध में हैं, उन्हें 28 अगस्त और 3, 4, और 9 सितंबर को सुना जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से जवाब देने का मौका 10 सितंबर को मिलेगा।इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ करेगी। इस पीठ में जस्टिस सूर्यकांत, विक्रम नाथ, पीएस नरसिम्हा और एएस चंदुरकर भी शामिल हैं। यह मामला इसलिए अहम है क्योंकि यह राज्यपालों की ओर से विधेयकों पर निर्णय लेने में हो रही देरी पर स्पष्ट दिशा-निर्देश तय कर सकता है, जिससे केंद्र और राज्य के बीच टकराव के मुद्दों पर न्यायिक मार्गदर्शन मिल सकेगा।

दिल्ली-एनसीआर : भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, ट्रैफिक जाम से लोग परेशान

एजेंसी

नई दिल्ली ।दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में मंगलवार सुबह से लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। तेज बारिश के चलते एक तरफ दिल्ली में कई सड़कों पर जल जमाव हो गया है, जिसके कारण यातायात बहुत ज्यादा प्रभावित हुआ है। वहीं नोएडा में कई जगहों पर भारी जलभराव हो गया है, जिससे सड़कों पर लंबा जाम लग गया। नोएडा और दिल्ली को लिंक करने वाले कालिंदी कुंज बॉर्डर का सबसे ज्यादा बुरा हाल देखने को मिला, जहां दिल्ली की ओर जाने वाले मार्ग पर गाड़ियों की लंबी कतारें देखी गईं। सुबह के समय जब लोग दफ्तर और अन्य कार्यों के लिए बाहर निकले, तब प्रमुख चौराहों, फ्लाईओवर और मार्गों पर ट्रैफिक रेंगता नजर आया। नोएडा सेक्टर-

18, सेक्टर-62, डीएनडी फ्लाईओवर और महामाया फ्लाईओवर जैसे व्यस्त इलाकों में वाहन चालकों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ा। तेज बारिश के कारण कई सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन गई है, जिससे दोपहिया वाहन चालकों को विशेष परेशानी हो रही है। जल निकासी व्यवस्था की पोल एक बार फिर खुल गई है, क्योंकि हल्की से तेज बारिश में ही पानी सड़कों पर भर जाता है और नालियां ओवरफ्लो हो जाती हैं।नगर निगम की ओर से अभी तक किसी राहत कार्य की सूचना नहीं मिली है। ट्रैफिक पुलिस को भी इस मौसम में अतिरिक्त दबाव झेलना पड़ रहा है। अधिकारी ट्रैफिक को सुचारू करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन लगातार हो रही बारिश और जलभराव के चलते स्थिति नियंत्रण में नहीं आ पा रही है। मौसम विभाग ने आने वाले 48 घंटों में और बारिश की संभावना जताई है, जिससे लोगों को और अधिक सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले कुछ दिनों तक अभी लगातार एनसीआर में इसी तरीके से रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी और जलभराव की स्थिति का सामना लोगों को करना पड़ेगा।

वसई-विरार नगर निगम आयुक्त के आवास सहित 12 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

एजेंसी

मुंबई। वसई-विरार नगर निगम (वीवीसीएमसी) के आयुक्त अनिल कुमार पवार के शासकीय आवास समेत कुल 12 ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम मंगलवार सुबह छह बजे से छापेमारी कर रही है। बताया जा रहा है कि यह छापेमारी नालासोपारा में 41 अनधिकृत इमारतों के मामले से संबंधित है। ईडी की ओर से इस छापेमारी का अधिकृत ब्योरा नहीं दिया गया है। सूत्रों ने बताया है कि ईडी की टीम मंगलवार सुबह छह बजे वसई-विरार नगर निगम के आयुक्त के आवास पर पहुंची और यहां कागज पत्र, कंप्यूटर आदि की तलाशी ले रही है। इसी मामले में मई महीने में ईडी की टीम ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत मुंबई और हैदराबाद में 13 अलग-अलग ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया था। तलाशी अभियान में लगभग 9.04 करोड़ रुपये नकद, 23.25 करोड़ रुपये मूल्य के हीरे जड़ित आभूषण, सोना-चांदी और बड़ी संख्या में आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए थे। इसके बाद ईडी ने मीरा भयंदर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा बिल्डरों, स्थानीय गुर्गों और अन्य के खिलाफ दर्ज कई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। यह मामला 2009 से वीवीसीएमसी के अधिकार क्षेत्र में सरकारी और निजी भूमि पर आवासीय सह वाणिज्यिक भवनों के अवैध निर्माण से संबंधित है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव पहुंचे दिल्ली के चिड़ियाघर, बच्चों को बताया पर्यावरण का महत्व

एजेंसी

नई दिल्ली । ग्लोबल टाइगर डे के अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने दिल्ली के राष्टीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में स्कूली बच्चों के साथ उत्सव मनाया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण का महत्व बताया। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सभी से अपने घर और आसपास के क्षेत्र में कम से कम एक पेड़ लगाने की अपील की, ताकि पर्यावरण को स्वच्छ और हरित बनाया जा सके। केंद्रीय मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में बाघ संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। वर्ष 2014 में जहां देश में 47 टाइगर रिजर्व थे, वहीं अब उनकी संख्या बढ़कर 58 हो गई है। न केवल बाघों की संख्या में वृद्धि हुई है, बल्कि उनके संरक्षित क्षेत्रों का भी विस्तार किया गया है। भारत अब अंतरराष्टीय बिग कैट एलायंस के तहत 97 देशों के साथ मिलकर बाघ संरक्षण, जैव-विविधता संरक्षण, पर्यावरण-पर्यटन और ज्ञान साझा करने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर दिल्ली के चिड़ियाघर में एक सप्ताह तक चलने वाली बाघ संरक्षण पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से स्कूली बच्चों को बाघों और उनकी सुरक्षा के बारे में जागरूक किया जा

रहा है। साथ ही, उन्हें प्रकृति और आदिवासी संस्कृति के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास किया जा रहा है। बच्चों को चिड़ियाघर का भ्रमण कराकर प्रकृति के प्रति उनके मन में जागरूकता पैदा करने का कार्य भी किया गया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत देश के 58 टाइगर रिजर्व में दो लाख पेड़ लगाए गए हैं। इसके अलावा, अरावली क्षेत्र के 29 जिलों में देशी प्रजातियों के पेड़ों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली नर्सरियां स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस दिशा में तीन नर्सरियों का वर्चुअल उद्घाटन भी किया गया। अरावली को हरा-भरा करने का यह अभियान प्रधानमंत्री के संकल्प का हिस्सा है, जिसके तहत 5 जून को दिल्ली में वृक्षारोपण कार्यक्रम शुरू किया गया था। भूपेंद्र यादव ने जोर देकर कहा कि प्राकृतिक विरासत को विकास के साथ संरक्षित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बाघ संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए चल रहे वैश्विक अभियानों के सकारात्मक परिणामों पर भी प्रकाश डाला। इस आयोजन ने बच्चों और आम लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ऑटो चोरी के शक में युवक की पीट-पीटकर हत्या, दो आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के आरके पुरम थाना क्षेत्र में ऑटो चोरी के शक में एक युवक राज कुमार की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में दो मुख्य आरोपित सुशील कुमार (22) और अमित (19) को गिरफ्तार किया है। दोनों मजदूर कैंप, सेक्टर-1, आरके पुरम के निवासी हैं। पुलिस ने चोरी का ऑटो भी बरामद कर लिया है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल ने सोमवार को बताया कि 30 मई को सुशील ने अपने ऑटो चोरी होने की शिकायत दर्ज की थी। एक जून की रात करीब 1:20 बजे सुशील के परिचित मंजीत चावला ने सरोजिनी नगर के सीएनजी पंप पर चोरी का ऑटो देखा, जिसे राज कुमार चला रहा था। मंजीत ने अन्य ऑटो ड्राइवरों की मदद से राज कुमार को पकड़ लिया और सुशील को सूचना दी। सुशील, अमित और अन्य लोग मौके पर पहुंचे और राज कुमार को मजदूर कैंप ले जाकर लात-घूंसे व डंडों से बेरहमी से पीटा। बेहोश होने पर उसे छोड़कर फरार हो गए। इधर, दो जून को राज कुमार की सफदरजंग अस्पताल में मौत हो गई। इंस्पेक्टर रविंदर कुमार त्यागी की अगुआई में पुलिस ने जांच शुरू की और गुप्त सूचना के आधार पर सुशील व अमित को गिरफ्तार किया। इससे पहले मंजीत चावला, अभिषेक शुक्ला, अनिल कुमार और अमन को गिरफ्तार किया जा चुका था।

फर्जी एप के जरिए ठगी करने वाले दो आरोपित मुंबई से गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले की साइबर थाना पुलिस ने मुंबई से दो ठगों को गिरफ्तार किया है। आरोपित फर्जी मोबाइल एप पीआईएनएन के जरिए लोगों को भारी मुनाफे का लालच देकर ठगी कर रहे थे। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक पीओएस मशीन, 12 मोबाइल फोन, दो फिंगरप्रिंट स्कैनर, 85 सिम कार्ड, 69 एटीएम कार्ड, 15 स्टैंप और अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी आशीष मिश्रा के अनुसार, शास्त्री पार्क निवासी मनोज कुमार की शिकायत पर साइबर थाने में ठगी का मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता ने बताया कि इंस्टाग्राम पर एक लिंक के जरिए उन्हें पीआईएनएन एप में निवेश करने का लालच दिया गया। शुरू में उनके खाते में कुछ राशि जमा हुई, लेकिन बाद में 21 लाख रुपये का निवेश कराने के बाद ठगों ने कोई जवाब नहीं दिया। इंस्पेक्टर राहुल कुमार की देखरेख में टीम ने तकनीकी निगरानी और अन्य स्रोतों से सुराग जुटाए। जांच में पता चला कि छह-छह लाख रुपये की दो राशियां मुंबई के एक बैंक खाते में जमा हुई थीं। टीम ने गोरेगांव पश्चिम, मुंबई में फैंटास्टिक एंटरटेनमेंट नामक कंपनी के दफ्तर पर छापा मारा और दो आरोपित राज चौहान (21) और संतोष कुमार (35) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपित प्राइवेट कंपनी के जरिए बेरोजगारों से नौकरी का वादा कर उनके दस्तावेज हासिल करते थे।

शतरंज की दुनिया में भारत की बेटियों ने रचा इतिहास : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि शतरंज की दुनिया में भारत की बेटियों ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। उन्होंने फिडे महिला शतरंज विश्व कप 2025 का खिताब जीतने वाली दिव्या देशमुख को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट कर कहा कि महज 19 वर्ष की आयु में यह कीर्तिमान भारतीय नारी शक्ति की प्रतिभा, परिश्रम और आत्मविश्वास का प्रमाण है। दिव्या ने जॉर्जिया में खेले गए फाइनल टाईब्रेक में अपनी हमवतन और अनुभवी खिलाड़ी कोनेरू हम्पी को कड़े मुकाबले में हराया। मुख्यमंत्री ने कोनेरू हम्पी की भी विशेष सराहना की, जिन्होंने वर्षों तक भारतीय शतरंज को गौरव दिलाया और इस प्रतियोगिता में उपविजेता बनकर देश को गौरवान्वित किया। दोनों फाइनलिस्ट का भारतीय होना यह बताता है कि भारत की बेटियां अब किसी भी मंच पर पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल जीत नहीं, हर युवा के लिए प्रेरणा है कि समर्पण, साधना और संकल्प से वैश्विक मंच पर भी भारत की आवाज बुलंद की जा सकती है।

स्वच्छ और हरित दिल्ली हमारी साझा जिम्मेदारी : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर वनों, नदियों और समृद्ध जैव विविधता की रक्षा के लिए सामूहिक संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि एक स्वच्छ और हरित दिल्ली केवल एक आकांक्षा नहीं है, यह हमारी साझा जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर आने वाली पीढ़ियों के लिए अपने ग्रह की रक्षा और संरक्षण के लिए एकजुट होने की अपील की है। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सभी को विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज पर्यावरण संरक्षण को एक जन-आंदोलन में बदल रहा है। मंत्री प्रवेश साहिब ने कहा कि आइए इस अवसर पर हम भी प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाएं। 'एक पेड़ मां के नाम' लगाकर न केवल पर्यावरण की सेवा करें, बल्कि अपने भावनात्मक जुड़ाव को हरियाली से सिंचित करें। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर सभी से अधिक से अधिक पेड़ लगाकर धरती को हरा-भरा बनाने और पर्यावरण संतुलन की दिशा में अपना कर्तव्य निभाने का संकल्प लेने को कहा।

निर्माणाधीन बारापूला ऐलिवेटेड परियोजना की जांच करेगी एसीबी : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में वित्त व्यय समिति की बैठक में निर्माणाधीन बारापूला ऐलिवेटेड रोड, फेज-द्वद्वद्व परियोजना की समीक्षा की। बैठक में निर्माणाधीन बारापूला ऐलिवेटेड परियोजना में अनियमितताएं और ठेकेदार कंपनी को 175 करोड़ का भुगतान करने की जांच भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) से कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में इस परियोजना को लेकर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की लापरवाही पर भी चर्चा हुई और विभिन्न कारणों से इस परियोजना में देरी होने पर चिंता जताई गई। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस परियोजना को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उनका कहना है कि धनराशि का भुगतान इसलिए किया गया, क्योंकि पूर्व सरकार ने कंपनी को कार्य नहीं करने दिया था।

परियोजना का यह ऐलिवेटेड रोड बारापूला नाले से शुरू होगा और सराय काले खां होते हुए मयूर विहार फेज-द्वद्वद्व तक पहुंचेगा। दिल्ली सचिवालय में इस उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह के अलावा संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई कि इस परियोजना शीघ्र ही गति पकड़ लेगी, क्योंकि परियोजना के मार्ग के आने वाले पेड़ों को हटाने का अनुमति जल्द मिलने वाली है। इसके बाद यह परियोजना समय पर पूरी हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब इस प्रोजेक्ट में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। सरकार इस परियोजना के लिए बजट की कमी नहीं आने देगी। परियोजना के पूरा होने से दक्षिणी दिल्ली व पूर्वी दिल्ली के बीच ट्रैफिक का आवागमन सुचारू हो जाए। बैठक में बाद मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि यह प्रोजेक्ट भी पिछली आम आदमी पार्टी सरकार के भ्रष्टाचार और घोर लापरवाही का एक और उदाहरण है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को अक्तूबर 2017 में पूरा हो जाना था, लेकिन विभिन्न कारणों से यह परियोजना पिछड़ती गई। मामला आब्रिट्रेशन (मध्यस्थता) में चला गया, जहां से ठेकेदार कंपनी के पक्ष में फैसला आया और उसे 120 करोड़ रुपये अदा करने का आदेश दिया गया।

घर बैठे नौकरी घोटाले का भंडाफोड़, दो साइबर ठग गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने घर बैठे नौकरी (वर्क फ्रॉम होम) के नाम पर ठगी करने वाले एक साइबर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस संबंध में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान अहतिशाम (25) और मुकेश लूथरा (29) के रूप में हुई है। दोनों लक्ष्मी नगर के रहने वाले हैं। इनके कब्जे से अपराध में प्रयुक्त तीन मोबाइल फोन और तीन सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि 20 जून को पालम के एक निवासी ने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज की कि 18 जून को एक महिला ने व्हाट्सएप के जरिए वर्क फ्रॉम होम नौकरी का ऑफर दिया था। शिकायतकर्ता को वेबसाइट रिव्यू करने जैसे छोटे कार्यों के लिए शुरुआती भुगतान मिला। लेकिन बाद में बड़े रिटर्न के लिए प्री-पेड कार्यों में निवेश करने को कहा गया था। विभिन्न बहानों से उनसे 3.75 लाख रुपये ठग लिए थे। प्रारंभिक जांच के बाद एफआईआर दर्ज कर इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक के नेतृत्व में एक टीम ने जांच शुरू की। ठगे गए रुपयों के मनी ट्रेल को ट्रैक करने और तकनीकी सुरागों की जांच में पता चला कि एक लाख रुपये अहतिशाम के आईडीएफसी बैंक खाते में जमा हुए। जिसे उसने चेक के जरिए निकाला। सह-आरोपी मुकेश लूथरा, जो पहले भी ठगी के मामलों में शामिल रहा ने इस राशि को बिटकॉइन खरीद-फरोख्त के लिए कई खातों में स्थानांतरित किया। कई दिनों तक लक्ष्मी नगर में छापेमारी के बाद, तकनीकी जानकारी के आधार पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। इनके कब्जे से पुलिस ने अपराध में उपयोग तीन मोबाइल फोन और तीन सिम कार्ड बरामद किये हैं।

नगर निगम डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया की रोकथाम एवं उपचार के लिए विभिन्न कदम उठा रहा है: सत्या शर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली। नगर निगम में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने सोमवार को दिल्ली में डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया की रोकथाम एवं उपचार के लिए विभिन्न कदम उठाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिन्दूराव अस्पताल, स्वामी दयानन्द अस्पताल और कस्तूरबा अस्पताल को सेंटिनल सर्विलांस अस्पताल घोषित किया गया। सत्या शर्मा ने बताया कि दिल्ली नगर निगम मच्छरजनित बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया की रोकथाम एवं उपचार के लिए विभिन्न कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए निगम ने विभिन्न अस्पतालों में विशेष व्यवस्थाएं की हैं। ताकि जरूरत पड़ने पर मरीजों का उपचार हो सके। सत्या शर्मा ने बताया कि मच्छरजनित बीमारियों के इलाज हेतु हिन्दूराव अस्पताल, स्वामी दयानन्द अस्पताल और कस्तूरबा अस्पताल को सेंटिनल सर्विलांस अस्पताल घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि इन अस्पतालों में मरीजों के इलाज के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। हिन्दूराव

अस्पताल में 70 बेड, स्वामी दयानन्द अस्पताल में 22 बेड और कस्तूरबा अस्पताल में 75 बेड आरक्षित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इन अस्पतालों में डेंगू एवं अन्य बीमारियों से ग्रसित मरीजों के लिए दवाइयां, आईवी फ्लुइड्स, प्लेटलेट्स आदि की समुचित व्यवस्था की गई है।सत्या शर्मा ने बताया कि डेंगू मरीजों की संख्या में वृद्धि होती है तो तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त बेड और स्टाफ की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी अस्पतालों को इस संबंध में पहले ही निर्देशित कर दिया गया है कि किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार रहें। स्थायी समिति अध्यक्ष ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आसपास साफ-सफाई रखें, पानी इकट्ठा न होने दें, पूरी बाजू के कपड़े पहने , मच्छरदानी का प्रयोग करे और किसी भी बीमारी के लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल से संपर्क करें।

कांग्रेस ने दिल्ली सरकार पर झुग्गी-झोपड़ियों को उजाड़ने का आरोप लगाया

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने पांच महीनों में दिल्ली सरकार पर 3000 झुग्गी-झोपड़ियों को उजाड़कर 15000 लोगों को बेघर करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने झुग्गी वालों से मिलकर उन्हें हर संभव मदद करने आश्वासन दिया। देवेंद्र यादव ने सोमवार दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बातें कही। देवेंद्र यादव ने कहा कि राहुल गांधी के आदेश पर कांग्रेस पार्टी झुग्गी-झोपड़ी वालों के हितों की रक्षा, सुरक्षा, उनको विस्थापित करने और सरकार जब तक गरीब लोगों की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं कर देती तब उजड़ने नहीं देंगे। 675 जेजे कलस्टर के लिए कानूनी सहायता सहित कांग्रेस पार्टी सड़क से संसद तक झुग्गी वालों की आवाज बनकर 15 दिन का अभियान शुरू करेगी। इसकी रुपरेखा तैयार की जा रही है। संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चौपड़ा, पूर्व मंत्री नरेंद्र नाथ, पूर्व विधायक हरी शंकर गुप्ता, कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन अनिल भारद्वाज,

लीगल एवं मानव अधिकार विभाग चेयरमैन एवं प्रवक्ता एडवोकेट सुनील कुमार, कम्युनिकेशन विभाग के वाईस चेयरमैन अनुज आत्रेय और जगजीवन शर्मा मौजूद रहे। देवेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है, जिसने गरीबों को बसाने का काम किया। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 45 पुनर्वास कालोनियां बसाई, दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की सरकार ने 15 वर्षों में गरीबों के पुनर्वास के लिए काम किया, झुग्गी झोपड़ी वालों को दिल्ली विकास प्राधिकरण के साथ मिलकर जहां झुग्गी वहीं मकान बनाने की 3 योजनाओं कठपुतली कालोनी, कालकाजी और जेलरवाला बाग में हजारों झुग्गी वालों के लिए मकान बनाने का काम शुरू किया। उन्होंने कहा कि उजवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनआरयूएम) के तहत 52000 मकान 2014 तक बनाने का काम किया था, जिसमें 3500 मकानों की चाबी देने का काम भी किया।

महापौर ने एमसीडी मुख्यालय में 336 सफाई कर्मचारियों को सौंपे नियमितीकरण पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी की स्वच्छता एवं स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने नगर निगम मुख्यालय डॉ. एसपीएम सिविक सेंटर में आयोजित एक औपचारिक समारोह के दौरान 336 सफाई कर्मचारियों को नियमितीकरण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर महापौर राजा इकबाल सिंह ने सभी नव-नियमत कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए आश्वस्त किया कि नगर निगम सफाई कर्मचारियों के कल्याण को प्राथमिकता देता रहेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उन्हें उनके सभी अधिकार एवं सेवाओं का समुचित सम्मान प्राप्त हो। महापौर ने कहा कि सफाई कर्मचारी एमसीडी की स्वच्छता प्रणाली की रीढ़ हैं। वे दिन-रात मेहनत करके दिल्ली को स्वच्छ और रहने योग्य बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी अपने सफाई कर्मचारियों को सम्मान, स्थायित्व और सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिंह ने कहा कि इन 336 कर्मचारियों के नियमितीकरण से यह स्पष्ट होता है कि एमसीडी अपने अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को सभी सुविधाएं देने के लिए लगातार प्रयासरत है। नियमित हुए कर्मचारियों में 172 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी, 28 करुणामूलक आधार पर नियुक्त सफाई कर्मचारी तथा 136 (पूर्व में छूटे) सफाई कर्मचारी शामिल है। समारोह का समापन एमसीडी नेतृत्व द्वारा दिल्ली भर में स्वच्छता मानकों को बनाए रखने और राजधानी को और अधिक स्वच्छ व स्वस्थ बनाने के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर उप महापौर जय भगवान यादव, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, नेता सदन प्रवेश वाही, पार्षद योगेश वर्मा, अतिरिक्त उपायुक्त (डीईएमएस) अनिल कुमार एवं दिल्ली नगर निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कला, ध्यान और दर्शन का संगम बनी संस्कार भारती की मासिक संगोष्ठी

एजेंसी

नई दिल्ली। संस्कार भारती के केंद्रीय कार्यालय 'कला संकुल' नई दिल्ली में प्रत्येक माह के अंतिम आयोजित होने वाली मासिक कला संगोष्ठी इस बार 'अंतर्यात्रा : कल्पना, कला और ध्यान' विषय पर केंद्रित रही। जिसमें कला, दर्शन और आत्मचिंतन के मध्य एक गहन संवाद देखने को मिला। इस संगोष्ठी की मुख्य वक्ता रहीं वैशाली गाहल्याण जो मिरांडा हाउस दिल्ली विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र की सहायक प्राध्यापक हैं एवं भारतीय चिंतन पर गहन शोध कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय कला केवल दृश्य रचनात्मकता नहीं बल्कि आत्मा और ब्रह्म की खोज है। यह एक अंतर्यात्रा है जो कलाकार को साधक बनाती है। उन्होंने कहा कि कल्पना, ध्यान और साधना के माध्यम से वह स्वयं को जानता है और फिर अपने अनुभवों को समाज के समक्ष अभिव्यक्त करता है। कार्यक्रम की शुरुआत सावन से मेल खाती एक कजरी प्रस्तुति से हुई। जिसे स्नेहा मुखर्जी एवं उनके समूह ने प्रस्तुत किया। साथ ही नीलाक्षी खंडकर सक्सेना द्वारा प्रस्तुत कथक नृत्य ने नारी चेतना, लय और भाव की सजीव अभिव्यक्ति के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपरा की गरिमा को मंच पर जीवंत किया।

संगोष्ठी में दिल्ली के कला, संस्कृति एवं शिक्षा क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रतिष्ठित विद्वान, कलाकार, शोधकर्ता एवं संस्कार भारती के पदाधिकारी उपस्थित रहें।

स्थायी समिति की अध्यक्ष ने शाहदरा उत्तरी जोन के भजनपुरा वार्ड का किया निरीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली । नगर निगम में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने स्थानीय विधायक अजय महावर के साथ शाहदरा उत्तरी जोन के भजनपुरा वार्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सत्या शर्मा ने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों व नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सत्या शर्मा ने स्थानीय निवासियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें आश्वस्त किया कि दिल्ली नगर निगम में भाजपा की सरकार बनने के बाद अब जनसमस्याओं का त्वरित और प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता को बेहतर जीवन स्तर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम की शीर्ष प्राथमिकता है। इस दौरान सत्या शर्मा ने क्षेत्र में नाले और नालियों की स्थिति का जायजा लिया और साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रमुख नालों के साथ-साथ छोटी नालियों की भी समयबद्ध सफाई सुनिश्चित की जाए ताकि बारिश के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। इसके लिए उन्होंने अतिरिक्त कर्मचारियों और मशीनों की तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गलियों और सड़कों पर पानी जमा न

हो इसके लिए नियमित सफाई और नालियों की निगरानी बेहद आवश्यक है। क्षेत्र की समग्र स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। शर्मा ने कहा कि दिल्ली नगर निगम सभी जोन में विकास कार्यों को तेज गति से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम किया जाएगा ताकि जनता को कार्यों का लाभ शीघ्र मिल सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे जमीनी स्तर पर काम की निगरानी करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार दिल्लीवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। निगम द्वारा विकास कार्यों और सफाई व्यवस्था को लेकर किए जा रहे प्रयासों का असर जल्द ही जनता को दिखाई देगा। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद रेखा रानी, अतिरिक्त आयुक्त जितेंद्र यादव, इंजीनियर इन चीफ के पी सिंह, उपायुक्त अभिषेक कुमार व निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उप महापौर जय भगवान यादव ने नजफगढ़ जोन के द्वारका सी वार्ड का निरीक्षण किया एवं क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उप महापौर जय भगवान यादव ने नजफगढ़ जोन के द्वारका सी वार्ड का निरीक्षण किया एवं क्षेत्र की नागरिक समस्याओं का जायजा लिया। इस दौरान उप महापौर जय भगवान यादव से स्थानीय निवासियों ने बामनोली और धूलसिरस गांव की सड़कों की खराब स्थिति के बारे में बताया। यादव ने बागडोला गांव, द्वारका सेक्टर 8 और 9 का निरीक्षण किया और जाना कि इन क्षेत्रों में कई सड़कें खराब स्थिति में हैं। जिसके कारण जलभराव और ट्रैफिक जाम की समस्या हो रही है। मामले का संज्ञान लेते हुए जय भगवान यादव ने अधिकारियों को टूटी नालियों और सड़कों की तत्काल मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि क्षेत्र में जलभराव न हो। उन्होंने अधिकारियों को सड़क चौड़ीकरण के मुद्दे को सुलझाने और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर इसके रखरखाव को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप महापौर ने बामनौली क्षेत्र की प्रमुख सड़कों पर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्हें अवगत कराया गया कि वार्ड में सफाई कर्मचारियों की कमी है। उन्होंने क्षेत्र में जलभराव और टूटी सड़कों के बारे में भी जानकारी ली। यादव ने अधिकारियों को क्षेत्र में कचरे का समय पर निपटान सुनिश्चित करने के लिए मशीनरी और मानव संसाधन तैनात करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यकतानुसार डीडीए के समक्ष यह मुद्दा उठाने और टूटी सड़कों की जल्द से जल्द मरम्मत करने के भी निर्देश दिया। इस अवसर पर बोलते हुए उप महापौर जय भगवान यादव ने कहा कि हम दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे और क्षेत्र के सभी विकास संबंधी मुद्दों का तत्काल समाधान करेंगे। उन्होंने क्षेत्र में पार्कों की सफाई और बागवानी की स्थिति का जायजा लिया । उप महापौर ने अधिकारियों को पार्क की नियमित सफाई करने और डार्क स्पोट्स से बचने के लिए लाइटें लगाने के निर्देश दिए।

डी. टी. यू. ने नए सत्र के लिए आयोजित किया ओरिएंटेशन-कम-इंडक्शन कार्यक्रम

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डी. टी. यू.) ने 2025 के नए सत्र का ओरिएंटेशन-कम-इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया। साथ ही डी. टी. यू. टाइम्स के 68वें संस्करण विश्वविद्यालय के आधिकारिक न्यूजलेटर का विमोचन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली सरकार में शिक्षा मंत्री आशिष सूद वर्चुअल मोड में कार्यक्रम से जुड़े। ओरिएंटेशन-कम-इंडक्शन कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व प्रवर्तन निदेशालय के प्रमुख और डीसीई 1979 बैच के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र एवं कार्यक्रम के अतिथि करनैल सिंह, डी. टी. यू. के कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा, डीन स्नातक प्रो. राजेश्वरी पांडे, डी. टी. यू. के कुलसचिव प्रो. नरेंद्र कुमार ने किया। दिल्ली सरकार में शिक्षा मंत्री आशिष सूद ने वर्चुअल मोड में कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने नए छात्रों को एक प्रमुख विश्वविद्यालय का हिस्सा बनने पर बधाई दी और उन्हें अपने भविष्य के करियर में उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होने के लिए डी. टी. यू. को एक मंच के रूप में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों से यह भी आग्रह किया कि वे अच्छे इंजीनियर

बनने के साथ-साथ जिम्मेदार नागरिक बनने का प्रयास करें। उन्होंने डी. टी. यू. के छात्रों को भारत सरकार के आगामी स्वच्छता अभियान में पूरे दिल से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। सूद ने छात्रों से शहरी चुनौतियों का समाधान सस्टेनेबल तरीके से करने की बात की और सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स को ध्यान में रखते हुए शोध, हैकाथॉन और दिल्ली विशिष्ट समस्याओं पर जागरूकता बढ़ाने की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। डी.टी.यू कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि डी. टी. यू. धरोहर को आई. आई. टी दिल्ली, एस पी ए और अन्य प्रमुख संस्थानों की नींव के रूप में है। उन्होंने नए बैच को प्रेरित करते हुए उम्मीद जताई कि वे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बदलाव लाएंगे। उन्होंने छात्रों से यह भी कहा कि संतुष्टि कभी न हो क्योंकि वास्तविक आनंद अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की यात्रा में है। अकादमिक स्नातक डीन प्रो. राजेश्वरी पांडे ने सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने छात्रों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें विश्वविद्यालय के शैक्षिक और सह पाठयक्रम पारिस्थितिकी तंत्र से परिचित कराया।

हनुमान मंदिर वाटिका में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कुलजीत सिंह चहल ने नए शू शेड और निशुल्क पेय जल सुविधा का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने हनुमान मंदिर वाटिका बाबा खड़क सिंह मार्ग में नए शू शेड और निशुल्क ठंडे पानी की सुविधा का उद्घाटन किया। इस मौके पर कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि इस परिसर में प्राचीन हनुमान मंदिर, गणेश मंदिर और शिव मंदिर हैं। जहां रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पहले से बने शू हाउस में अब एक नया खुला शेड जोड़ा गया है ताकि लोग अपने जूते-चप्पल आराम से और सुरक्षित तरीके से रख सकें। पेयजल की जरूरत को देखते हुए चहल ने बताया कि जल्द ही एक वाटर कूलर हनुमान मंदिर परिसर स्थल के लिए भेंट करेंगे जिसका निर्माण कार्य प्रगति पर है ताकि ज्यादा लोगों को मुफ्त ठंडा पानी मिल सके। चहल ने बताया कि मंगलवार और त्योहारों पर यहां काफी भीड़ होती है इसलिए एन.डी.एम.सी. जल्द ही एक स्टेनलेस स्टील पुलिस टॉवर लगाएगी।

जिससे पुलिस को भीड़ कंट्रोल करने और सुरक्षा बनाए रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन मंदिरों की धार्मिक आस्था और श्रद्धालुओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए एन.डी.एम.सी. हनुमान मंदिर वाटिका में कई विकास कार्य कर रही है। चहल ने बताया कि परिषद का लक्ष्य स्वच्छ सर्वेक्षण अव्वल आना है और इसके लिए सौंदर्यीकरण और जन-सुविधाओं के सभी काम पूरे किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे खुद इन कामों की समय-समय पर निगरानी करते हैं ताकि जनता को समय पर फायदा मिल सके। चहल ने विश्वास जताया कि ये सभी सुविधाएं श्रद्धालुओं, दुकानदारों और मंदिर प्रबंधन के लिए फायदेमंद होंगी। उन्होंने कहा कि एन.डी.एम.सी. जनता की भागीदारी और सुझावों के आधार पर हनुमान मंदिर वाटिका का लगातार विकास करती रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि ये सारे प्रयास विकसित भारत @2047 के तहत स्वच्छ, आधुनिक और लोगों की सुविधा के लिए बने शहर के लक्ष्य की ओर एक मजबूत कदम हैं। इस मौके पर सिविल इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य और उद्यान विभाग के अधिकारी और कर्मचारी के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु और आगंतुक भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

संपादक की कलम से

मानवता ने जब धरती को छुआ

ये दोनों अंतरिक्ष यात्री 9 महीने 14 दिन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन आईएसएस में बिताने के बाद धरती पर वापस लौटे हैं। धरती पर कदम रखा इसलिए नहीं कह सकते कि इतना लंबा वक्त अंतरिक्ष में बिताने के बाद अभी उनके शरीर को धरती पर सामान्य तरीके चलने-फिरने का अभ्यस्त होने में वक्त लगेगा।

कल्पना, सुनीता ये नाम सुंदर हैं और आम भारतीय घरों में प्रचलित भी। इन सामान्य से लगने वाले वाले नामों की दो लड़कियों ने भारत सहित पूरी दुनिया पर अनूठी छाप छोड़ी है। कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स इन दोनों की अंतरिक्ष यात्राएं समूचे अंतरिक्ष विज्ञान के लिए याद, सबक और मिसाल बन गईं। इनकी यात्राओं पर चर्चा करुंगी, लेकिन नाम का जिक्र इसलिए याद आया क्योंकि इस सदी में अनूठेपन के नाम पर अब काफी नए-नए तरह के नाम सुनने मिलते हैं, लोग अब अपने बच्चों का नाम रखने के लिए गूगल की मदद भी लेते हैं और ज्योतिष की सलाह भी। हालांकि शेक्सपियर तो सदियों पहले कह गए हैं कि नाम में क्या रखा है। गुलाब, गुलाब ही रहेगा, चाहे उसे किसी भी नाम से पुकारो। लेकिन भारतीय इस मामले में शेक्सपियर की बिल्कुल नहीं सुनते।

बच्चों के नामों में नयापन और इतिहास के नामों में धर्म के मुताबिक बदलाव, यही इस वक्त का चलन है। आश्चर्य होता है यह देखकर कि दुनिया में कितने तरह के काम, प्रयोग, शोध हो रहे हैं। विज्ञान, चिकित्सा, खेल, कला, व्यापार जीवन के हर पहलू में बड़ी तेजी से बदलाव हो रहे हैं। कारखानों, होटलों से लेकर आपरेशन थियेटर तक में रोबो से काम लिया जा रहा है। ीएनए का परीक्षण कर उसके बूते इंसान की आयु बढ़ाने, अपनी ही तरह का दूसरा इंसान पैदा करने, पैदा होने से पहले ही बीमारी का पता लगने पर इलाज करने जैसे कई आश्चर्यजनक काम किए जा रहे हैं। मानव अंगों के प्रत्यर्पण से एक इंसान की मौत के बाद उसे दूसरे इंसान में जिंदा रखा जा रहा है। छपी हुई मुद्रा के साथ आभासी मुद्रा का व्यापार हो रहा है। धरती, आकाश, पाताल हर जगह पहले इंसान की जिज्ञासा पहुंची, फिर इंसान ने खुद पहुंचने का रास्ता बना लिया। बुधवार सुबह ऐसे ही एक नए रास्ते को धरती के इंसानों ने देखा। जिसके दो राही खास थे बुच विल्मर और सुनीता विलियम्स। ये दोनों अंतरिक्ष यात्री 9 महीने 14 दिन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन आईएसएस में बिताने के बाद धरती पर वापस लौटे हैं। धरती पर कदम रखा इसलिए नहीं कह सकते कि इतना लंबा वक्त अंतरिक्ष में बिताने के बाद अभी उनके शरीर को धरती पर सामान्य तरीके चलने-फिरने का अभ्यस्त होने में वक्त लगेगा। जैसे 9 महीने मां की कोख में रहने के बाद जब बच्चा जन्म लेता है, तो धीरे-धीरे कदम संभालना सीखता है। अनोखा संयोग है कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मर 9 महीने उस धरती से दूर रहे, जो इंसानी जीवन की जननी है। बुधवार सुबह भारतीय समय के मुताबिक 3 बजकर 27 मिनट पर जब इन दो अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अमेरिका के निक हेग और रूस के अलेक्सांद्र गोरबुनोव, यानी कुल चार यात्रियों को लेकर अंतरिक्ष यान ने फ्लोरिा के समुद्र में डुबकी लगाई तो विज्ञान और मानवता दोनों ने नयी प्राणवायु पाई। पाठक जानते हैं कि केवल आठ दिनों के अंतरिक्ष सफर पर निकले सुनीता विलियम्स और बुच विल्मर को तकनीकी खराबी के कारण 9 महीने से ज्यादा का वक्त अंतरिक्ष में बिताना पड़ा। इस दौरान उन्हें लाने की कोशिशें होती रहीं। आखिरकार उन्हें लेने एक दूसरा यान भेजा गया और फिर उनकी सकुशल वापसी हुई। भारत में इस दौरान सुनीता विलियम्स के रिश्तेदारों के घरों से लेकर देश में जगह-जगह पूजा पाठ हुए, उनकी सुरक्षित वापसी के लिए हवन किए गए। भारतीय मूल की होने के कारण इतना लगाव स्वाभाविक है। इसी तरह जब कल्पना चावला भी अंतरिक्ष में गई थीं, तो उनके अमेरिकी नागरिक होने के बावजूद भारतीय इस बात को गर्व से कहते थे कि वे हरियाणा की हैं, यहीं पली बढ़ी, हालांकि बाद में वे उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका गईं और फिर वहीं की नागरिक हो गईं। कल्पना चावला के अंतरिक्ष सफर का अंत दर्दनाक था, अंतिम क्षणों में उनका यान आग के गोले में तब्दील हो गया। हालांकि उनके असाधारण काम आज भी याद किए जाते हैं। सुनीता और कल्पना, अगर केवल इन दो नामों का जिक्र करें तो अभी बेशक अंतरिक्ष यात्री की पोशाक में सज्जित दो महिलाओं की शक्ल हमारी आंखों के सामने आएगी, लेकिन इसके साथ एक कड़वी सच्चाई यह है कि इन दो नामों के साथ-साथ, ऐसी सैकड़ों, लाखों लड़कियां हैं, जो ऐसे ही असाधारण काम करके अपने नामों को हमेशा के लिए यादगार बना सकती हैं, लेकिन उनके सपनों की उड़ान के लिए कोई आकाश ही बचने नहीं दिया जाता। अगर किसी ने हिम्मत दिखाई भी तो सपने उसी तरह राख कर दिए जाते हैं, जैसे कल्पना चावला का यान राख बन गया था। सुनीता विलियम्स तो पहले से अमेरिका में थीं और कल्पना चावला बाद में वहां गईं, लेकिन भारत में रहकर क्या इन्हें ऐसे मौके मिल पाते, इस सवाल का जवाब सब जानते हैं। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत में भी खूब काम हो रहा है, कई वैज्ञानिक इसरो में काम करती हैं, जिनके बारे में बताने के लिए अलग से महिला वैज्ञानिक लिखना पड़ता है। क्या कभी किसी पुरुष वैज्ञानिक का जिक्र हम इस तरह से करते हैं, यह भी सोचना चाहिए।

बहरहाल, अलग-अलग क्षेत्रों में योग्यता और श्रेष्ठता के पैमाने पर बार-बार खुद को साबित करने के बावजूद महिलाओं को बड़ी मुश्किल से अवसर मिलते हैं और वह भी अपवाद के तौर पर। वर्ना समाज का आलम तो ऐसा है कि अब भी लड़की अपने पिता, भाई, पति या किसी पुरुष रिश्तेदार के साथ घर से बाहर निकले तभी सुरक्षित मानी जाती है।

वन-संस्कृति को अक्षुण्ण रखना बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता में वनों का सर्वाधिक महत्व रहा है, वन ऑक्सीजन, भोजन, ईंधन, दवाइयां, सुगंध, कागज, और कपड़े और कई तरह की चीजें देते हैं। वन जहां वैश्विक तापमान को बनाए रखने में मदद करते हैं वहीं वर्षा को नियंत्रित करते हैं। वन भूमि कटाव और बाढ़ पर नियंत्रण रखते हैं तो प्रदूषण को नियंत्रित करते हैं। वन जहां सूखे को नियंत्रित करते हैं वहीं वे कई तरह के जीवों के लिए प्राकृतिक आवास एवं वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए जीन कोष का काम करते हैं। हमारी संस्कृति में जो सुन्दरतम और श्रेष्ठतम है, उसका उद्भव इन्हीं वनों में हुआ है। वन जीवन-ऊर्जा के स्रोत एवं गति के माध्यम है। हमारे संस्कारों पर नन्दनवन के सौंदर्य और माता सीता के कारण अशोक वन के करुणापूर्ण वातावरण की छाप लगी हुई है और वृन्दावन में भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा के प्रेम आच्छादित है। हालांकि, आधुनिक युग में लोभ, लालच एवं संवेदनहीनता से वनों की कटाई तेजी से बढ़ गई है, इससे प्रदूषण, मिट्टी का कटाव और जलवायु परिवर्तन जैसी कई जटिल एवं विनाशकारी समस्याएं पैदा हो रही हैं। वनों की कटाई से वनों पर निर्भर लोगों एवं वन्य जीवों का जीवन खतरे में है, इनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। वृक्षों की नीली छटा के लिए जो प्रेम था, जो शक्ति थी, जो जीवन था, वह कम न हो इसी उद्देश्य से विश्व वानिकी दिवस हर साल 21 मार्च को मनाया जाता है। 2012 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वानिकी के महत्व पर ध्यान केंद्रित करने और जागरूकता फैलाने के लिए इस दिन की स्थापना की। वनों के महत्व और पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में उनकी भूमिका के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2025 की थीम है वन और खाद्य पदार्थ, जो खाद्य प्रणालियों में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान आकर्षित करता है। इसका उद्देश्य खाद्य सुरक्षा, पोषण और आजीविका में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है। भोजन प्रदान करने के अलावा, वन स्वस्थ मिट्टी को बनाए रखते हुए और जल स्रोतों की रक्षा करते हुए ईंधन, आय और रोजगार भी प्रदान करते हैं। इस वर्ष की थीम विश्व की बड़ी शक्तियों एवं नीति निमार्ताओं से जलवायु परिवर्तन के केंद्र में वनों को ध्यान में रखते हुए नीतियां बनाने का आग्रह करती है।

विश्व वानिकी दिवस का संदेश वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लाभ के लिए वनों की सुरक्षा और देखरेख का आह्वान करता है, वनों के संरक्षण के लिये कदम उठाने और सकारात्मक प्रभाव पैदा करने का सुझाव देती है। यह आशा और आशावाद की भावना व्यक्त करता है, लाभकारी परिवर्तन की क्षमता को रेखांकित करता है। इसमें वन संरक्षण के पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक पहलू शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन से निपटने में वन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, वे व्यापक कार्बन सिंक के रूप में कार्य करते हैं जो प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से वायुमंडलीय कार्बन इऑक्साइ को अवशोषित करते हैं। यह तंत्र वैश्विक तापमान को नियंत्रित करने और ग्रीनहाउस गैसों एवं ओजोन को नुकसान के स्तर को कम करने में सहायता करता है। इसके विपरीत, वनों की कटाई से संग्रहित कार्बन वापस वायुमंल में चला जाता है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग और भी बदतर हो जाती है। इसलिए, जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए वनों की रक्षा और उन्हें बहाल करना बहुत जरूरी है। वन पौधों और जानवरों की आश्चर्यजनक विविधता का घर हैं, जो पृथ्वी की स्थलीय जैव विविधता का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं वे सूक्ष्म कवक से लेकर बड़े स्तनधारियों तक कई जीवों के लिए आवश्यक आवास प्रदान करते हैं। वनों के लुप्त होने से आवास विखंन और प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं, पारिस्थितिकी संतुलन बिगड़ रहा है और पारिस्थितिकी तंत्र की लचीलापन कम हो रहा है। वन केवल लकड़ी के स्रोत नहीं हैं, वे भोजन और पोषण के महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं। वन मानव अस्तित्व और पर्यावरण संतुलन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

विश्व वानिकी दिवस इस बात की प्रबल याद दिलाता है कि हमारे ग्रह का स्वास्थ्य और कल्याण हमारे वनों की भलाई से निकटता से जुड़ा हुआ है। वन संरक्षण केवल एक पर्यावरणीय चिंता नहीं है, यह एक सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक आवश्यकता है। वनों के विविध महत्व को स्वीकार कर-के और उनकी सुरक्षा के लिए एकीकृत कार्रवाई करके, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। हमें अपनी वन-प्रधान संस्कृति की ओर अभिमुख होना चाहिए। जब तक समस्त जीवन को एक रूप में देखने की कला हम फिर से नहीं सीखेंगे तब तक हममें न राष्ट्रीय आत्मविश्वास आयेगा, न पर्यावरण चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे और न इस भयंकर परिस्थिति से पार उतरने की शक्ति आयेगी। भारत में कभी भी अन्न की कमी नहीं थी। भूतकाल में भारत धान्य और धन से समृद्ध था। आज अन्न न्यूनता हमारे सामने तांव कर रही है। जो धरा अभी तक सजलां सफलां शस्य श्यामलां थी, वह क्षीण एवं बंजर होती जा रही है। वन का मानव जीवन से गहरा अन्तसंबंध है। क्योंकि वन है तो वृक्ष है। वृक्ष ही जल हैं, जल रोटी है और रोटी ही जीवन है, यह बड़ा सत्य है। आज सभी भारतीय हृदयों में लोभ से असन्तोष उभरा है। क्योंकि हमारे खाने को अन्न नहीं। हमारे पास अन्न नहीं है; क्योंकि पानी संग्रह करने की पुरानी पद्धति हम हस्तगत नहीं कर सके। हमारे पास पानी नहीं है, वर्षा अनिश्चित है; क्योंकि हम तरु-महिमा भूल गये हैं। हजारों वर्षों तक हम जीवित रहे; क्योंकि हम वन-विहारी लोग थे, लेकिन आज हमारी दृष्टि संकुचित हो गई। वृक्षों को हम काटने लगे। वृक्षारोपण आज एक फैशन बन गया है, परन्तु उसमें जो धार्मिक श्रद्धा का तत्त्व था, वह चला गया। हमारी सारी संस्कृति वन-प्रधान है। ऋग्वेद, जो हमारी सनातन शक्ति का मूल है, वन-देवियों की अर्चना करता है। मनुस्मृति में वृक्ष-काटने को बड़ा पाप माना गया है। तालाबों, नदियों, सड़कों या सीमा के पास वृक्षों को काटना बड़ा गम्भीर अपराध था। उसके लिए दण्ड का भी बड़ा कड़ा प्रावधान रहता था, आज भी है। लेकिन आज कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए वृक्षों की अंधाधुंध कटाई हो रही है। वनों के परिपार्श्व में ही अनेक ऋषियों ने कठोर साधना की है, बुद्ध भगवान को वटवृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था। वेदों में पर्वतों और नदियों, मेघों के गर्जन और बिजली की कड़क, भयानक प्रचण्ड वायु, प्रभात सुषमा, शीतल झरने, वृक्ष और वनों का वर्णन आता है। रामायण और महाभारत के घटनास्थल बहुधा वनों में ही हैं। महाभारत में खाण्व वन के जलने का उल्लेख है और रामायण में पंचवटी वन की रमणीयता का वर्णन किया गया है। पुराणों में वृक्षों के महात्म्य, वृक्षारोपण के पुण्य और वृक्ष काटने के पाप के सम्बन्ध में बहुत कुछ कहा गया है। अग्निपुराण में गृह निमार्ता से कहा गया है कि घर के उत्तर में पलाश, पूर्व में बड़, दक्षिण में शाम और पश्चिम में अश्वत्थ के वृक्ष लगाने चाहिए। दक्षिणावर्ती सीमा पर कँटीदार झाड़ी लगानी चाहिए, घर के पास ही फूलों का एक बगीचा लगाना चाहिए। जिसमें फूलों के पौधे और शीशम के वृक्ष लगाये जायें। इसी पुराण में वृक्षों की पूजा का महात्म्य बताया गया है।

आज वन-संस्कृति एवं वन-सोच पर तरह-तरह के हमले हो रहे हैं। मनुष्य का लोभ एवं संवेदनहीनता भी त्रासदी की हद तक बढ़ी है, जो वनों, वन्यजीवों, पक्षियों, प्रकृति, जलवायु परिवर्तन, बढ़ती गर्मी, पर्यावरण के असंतुलन एवं विनाश का बड़ा सबब बना है। जीवन के अनेकानेक सुख, संतोष एवं रोमांच में से एक यह भी है कि हम कुछ समय वनों एवं पशु-पक्षियों के साथ क्यों नहीं कर पाते क्यों हमारी सोच एवं जीवनशैली का प्रकृति-प्रेम विलुप्त हो रहा है क्यों वन-संस्कृति क्षत-विक्षत है मनुष्य के हाथों से रचे कृत्रिम संसार की परिधि में प्रकृति, पर्यावरण, वन, वन्यजीव-जंगल एवं पक्षियों का कलरव एवं जीवन-ऊर्जा का लगातार खत्म होते जाना जीवन से मृत्यु की ओर बढ़ने का संकेत है।

कविता और उसका चमत्कारिक प्रभाव

-गौरव अवस्थी

ग्रीस के एथेन्स नगर के उच्च कुल (कबीले) में 630 ईसा पूर्व में जन्मे महान कवि सोलोन को दार्शनिक और समाज सुधारक के रूप में भी जाना जाता है। देशभक्ति और संवैधानिक सुधार पर उन्होंने कई गीत लिखे। उनके एक गीत की पंक्तियां है-कुछ दुष्ट लोग धनी होते हैं, कुछ अच्छे लोग निर्धन होते हैं, हम उनके भणर के बदले अपना पुण्य नहीं बदलेंगे, पुण्य ऐसी वस्तु है जिसे कोई छीन नहीं सकता परन्तु धन तो दिन भर मालिक बदलता रहता है.. ..उन दोनों के सामने मैंने अपनी शक्ति की ढाल थामी और किसी को भी दूसरे के अधिकार को छूने नहीं दिया..।

पुराने जमाने में ग्रीस के एथेन्स नगरवाले मेगारावालों से वैरभाव रखते थे। सोरोनिक खाड़ी में सलामिस टापू पर कब्जे के लिए एथेंस और मेगारा वालों के बीच कई बार लड़ाइयां हुई पर हर बार एथेन्स वालों को ही हार का सामना करना पड़ता। इस पर सोलोन को बड़ी आत्मग्लानि हुई। उन्होंने एक राष्ट्रवादी कविता लिखी-"आओ हम सलामिस चलें और उस द्वीप के लिए लड़ें जिसे हम चाहते हैं और अपनी कड़वी शर्म से दूर भागें!" अपनी इस कविता को सोलन ने एक ऊँची जगह पर चढ़कर एथेन्स वालों को सुनाया।

कविता का भावार्थ यह था- "मैं एथेन्स में न पैदा होता तो अच्छा था। मैं किसी और देश में क्यों न पैदा हुआ मुझे ऐसे देश में पैदा होना था जहाँ के निवासी मेरे देशवासियों से अधिक वीर, अधिक कठोर-हृदय और उनकी विद्या से बिलकुल बेखबर हों। मैं अपनी वर्तमान अवस्था की अपेक्षा उस अवस्था में अधिक सन्तुष्ट होता। यदि मैं किसी ऐसे देश में पैदा होता तो लोग मुझे देखकर यह तो न कहते कि यह आदमी लड़ाई में हार गये और लड़ाई के मैदान से भाग निकले। प्यारे देशबन्धु, अपने शत्रुओं से जल्द हार का बदला लो। अपने इस कलंक को धो लो। लज्जाजनक पराजय के अपयश को दूर कर दो। जब तक अपने अन्यायी शत्रुओं के हाथ से अपना छिना हुआ देश न छुड़ा लो तब तक एक मिनट भी चैन से न बैठो।"

कहते हैं कि लोगों के दिल पर इस कविता का इतना असर हुआ कि फौरन मेगारा वालों पर फिर चढ़ाई कर दी गयी और जिस टापू पर कब्जे के लिए बार-बार हार का सामना करना पड़ रहा था, उसे एथेन्स वालों ने जीत लिया। खास बात यह थी कि इस लड़ाई में सोलोन ही सेनापति भी थे।

कवि सोलोन ग्रीस के सात संतों में से एक हैं। फूलदार पौधों की एक प्रजाति सोलोनिया का नाम सोलोन के नाम पर ही रखा गया है। सोलोन की मृत्यु साइप्रस में लगभग 70 वर्ष की आयु में हुई। उनकी इच्छा के अनुसार, उनकी राख को सलामिस के आसपास बिखेर दिया गया। यह वह द्वीप है जहाँ उनका जन्म हुआ था। दुनिया में बहुत कम कवि हैं, जिनकी कविता का इतना अधिक प्रभाव आम जनमानस पर हुआ।

आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने सरस्वती के जुलाई 1907 के अंक में कवि और कविता नामक निबंध में कवि सोलोन के इस प्रसंग को उद्धृत करते हुए आधुनिक कविता के संदर्भ में कुछ मानक निर्धारित किए थे, जो आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने लिखा था-जिस पद्य के पढ़ने या सुनने से चित्त पर असर नहीं होता, वह कविता नहीं, वह नपी-तुली शब्द स्थापना मात्र है। गद्य और पद्य दोनों में कविता हो सकती है। तुकबन्दी और अनुप्रास कविता के लिए अपरिहार्य नहीं।

संस्कृत का प्रायः सारा पद्य समूह बिना तुकबन्दी का है और संस्कृत से बढ़कर कविता शायद ही किसी और भाषा में हो। अरब में भी सैकड़ों अच्छे-अच्छे कवि हो गये हैं।

विटामिन बी12 की कमी से जुड़े ये 5 सवाल जो लोगों को करते हैं परेशान

विटामिन B12 एक जरूरी पोषक तत्व है, जो हमारे शरीर में खून बनाने, नर्वस सिस्टम को ठीक से काम करने और एनर्जी बनाए रखने में मदद करता है. जब शरीर को इसकी पर्याप्त मात्रा नहीं मिलती तो इसे विटामिन B12 की कमी कहा जाता है. आजकल बहुत से लोग विटामिन B12 की कमी से परेशान रहते हैं, लेकिन इससे जुड़ी सही जानकारी न होने के कारण कई सवाल उनके मन में आते हैं. आइए, एक्सपर्ट से जानते हैं इन सवालों के जवाब जानते हैं.

विटामिन B12 की कमी क्यों होती है

दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में मेसिन विभाग में डॉ. अजीत कुमार बताते हैं कि विटामिन बी12 की कमी के प्रमुख कारण कई हो सकते हैं. इसमें गलत खानपान, पाचन से जुड़ी समस्याएं, दवाओं का असर और बढ़ती उम्र अहम है. शाकाहारी लोगों को विटामिन B12 की कमी ज्यादा हो सकती है क्योंकि यह मुख्य रूप से मांस, अंडे और दूध में पाया जाता है. ऐसे में शाकाहारी लोगों को बी 12 की कमी ज्यादा महसूस होती है.

शरीर में विटामिन B12 की कमी के लक्षण क्या हैं

कमजोरी और थकान

हाथ-पैरों में झुनझुनी या सुन्नपन

याददाश्त कमजोर होना

चिड़चिड़ापन और डिप्रेशन

त्वचा पीली पड़ना

किन चीजों से मिलता है विटामिन B12

मांस, मछली और अंडा

दूध और दूध से बनी चीजें (दही, पनीर)

फोर्टिफाइड अनाज (वो अनाज जिनमें कृत्रिम रूप से विटामिन मिलाया जाता है). शाकाहारी लोगों के लिए सप्लीमेंट्स या डॉक्टर की सलाह से B12 इंजेक्शन अच्छे विकल्प हो सकते हैं.

क्या विटामिन B12 की कमी खतरनाक हो सकती है

हां, अगर इस कमी को लंबे समय तक अनदेखा किया जाए तो यह कई गंभीर समस्याएं पैदा कर सकती है जैसे एनीमिया (खून की कमी), नर्वस सिस्टम पर असर,हृदय से जुड़ी समस्याएं, गर्भवती महिलाओं के लिए बच्चे के विकास में बाधा जैसे कई समस्याएं हो सकती हैं।

. इस विटामिन की कमी का असर मानसिक सेहत पर भी पड़ सकता है.

विटामिन B12 की कमी को कैसे पूरा करें

खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेषों की बढ़ती समस्या

-डॉ. सत्यवान सौरभ

खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेष कीटनाशकों की छोटी मात्रा होती है जो फसलों पर इस्तेमाल किए जाने के बाद खाद्य पदार्थों पर या उनके भीतर रह जाती है। ये अवशेष संभावित रूप से स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकते हैं, जो विशिष्ट कीटनाशक और उसकी सांद्रता पर निर्भर करता है। भारत वैश्विक स्तर पर कीटनाशकों के शीर्ष उपभोक्ताओं में से एक है, जो फसलों को कीटों और बीमारियों से बचाने के लिए कृषि में इनका बड़े पैमाने पर उपयोग करता है। हालाँकि, भोजन में कीटनाशक अवशेषों का पता लगाना एक महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभरा है। शोध से पता चलता है कि भारत में अधिकतर खाद्य पदार्थों में ये अवशेष मौजूद हैं, जिनमें से कुछ का स्तर सुरक्षित सीमा से अधिक है। यह स्थिति गंभीर स्वास्थ्य चिंताएँ पैदा करती है और बेहतर खाद्य सुरक्षा विनियमों और अधिक सार्वजनिक जागरूकता की आवश्यकता को उजागर करती है। खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेषों की निगरानी के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय रणनीति के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री द्वारा हाल ही में की गई अपील भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा को बढ़ाने के लिए महत्त्वपूर्ण है। कीटनाशकों से खाद्य पदार्थों का संदूषण एक गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है, जो आधुनिक खेती प्रथाओं और रसायनों के लापरवाह उपयोग से और भी बदतर हो जाता है। हालाँकि कई नियम उपाय मौजूद हैं, फिर भी निगरानी, प्रवर्तन और सार्वजनिक शिक्षा में कमियाँ हैं, जिसके लिए केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर अधिक मजबूत सरकारी कार्यवाही की आवश्यकता है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (ऋररअक) और विभिन्न स्वतंत्र अध्ययनों की रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत में जाँचे गए 50% से अधिक खाद्य नमूनों में कीटनाशक अवशेष पाए गए हैं। कुछ खाद्य पदार्थ, जैसे सब्ज़ियाँ, फल, अनाज, दालें और मसाले, विनियामक निकायों द्वारा निर्धारित अधिकतम अवशेष सीमा (टफछ) से अधिक पाए गए हैं। कीटनाशकों का उपयोग फसलों पर कीटों, कवक और खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है और उन्हें पानी, मिट्टी और हवा के माध्यम से ले जाया जा सकता है, जिससे आस-पास की फसलें प्रभावित होती हैं। इसके अतिरिक्त, भंरण और परिवहन के दौरान खराब होने से बचाने के लिए कुछ कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है। सेब, अंगूर, स्ट्रॉबेरी, पालक, टमाटर और आलू जैसे आम फलों और सब्जियों में अक्सर कीटनाशकों के महत्त्वपूर्ण अवशेष होते हैं। चावल, गेहूँ, दाल और छोले जैसे मुख्य खाद्य पदार्थों में भी हानिकारक कीटनाशक हो सकते हैं। हल्दी, धनिया और जीरा जैसे मसालों में कभी-कभी कीटनाशक का स्तर सुरक्षित सीमा से ज्यादा हो सकता है।

कीटनाशक अवशेषों वाले भोजन का सेवन करने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं, जो जोखिम की मात्रा और अवधि के आधार पर अलग-अलग होती हैं। अल्पकालिक प्रभावों में मतली, चक्कर आना, सिरदर्द और एलर्जी सम्बंधी प्रतिक्रियाएँ शामिल हो सकती हैं, जबकि दीर्घकालिक जोखिम के परिणामस्वरूप कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, तंत्रिका सम्बंधी विकार और बच्चों में विकास सम्बंधी समस्याएँ जैसी गंभीर स्थितियाँ हो सकती हैं।

खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेषों के लंबे समय तक संपर्क में रहने से कैंसर, तंत्रिका सम्बंधी समस्याएँ, हार्मोनल व्यवधान, प्रजनन सम्बंधी चुनौतियाँ और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली सहित कई स्वास्थ्य समस्याएँ होती हैं। कीटनाशक हमारी मिट्टी, पानी और हवा को भी प्रदूषित करते हैं, जो जैव विविधता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। खेती के क्षेत्रों में प्रतिबंधित कीटनाशकों की निरंतर मौजूदगी लंबे समय तक मिट्टी की गिरावट में योगदान देती है। इसके अतिरिक्त, कृषि में उपयोग किए जाने वाले हानिकारक रसायन मधुमक्खियों जैसे परागणकों को नुकसान पहुँचा सकते हैं, पारिस्थितिक संतुलन को बिगड़ सकते हैं और फसल की पैदावार कम कर सकते हैं। बच्चों और गर्भवती महिलाओं को इन विषाक्त पदार्थों से विशेष रूप से खतरा होता है। समय के साथ, कीटनाशक मानव शरीर में जमा हो सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप संभावित रूप से पुरानी स्वास्थ्य स्थितियाँ हो सकती हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण खाद्य सुरक्षा और मानक (संदूषक, विषाक्त पदार्थ और अवशेष) विनियम, 2011 के माध्यम से खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेषों की निगरानी करता है, जो जोखिम के वैज्ञानिक मूल्यांकन के आधार पर विभिन्न कीटनाशकों के लिए अधिकतम अवशेष सीमा (टफछ) निर्धारित करता है। हालाँकि, कीटनाशकों के व्यापक उपयोग और अपर्याप्त निगरानी के कारण इन विनियमों को लागू करना चुनौतीपूर्ण है। हाल ही में, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरणने खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए मसालों और पाक जड़ी बूटियों के लिए विशिष्ट अधिकतम अवशेष सीमा पेश किए हैं। राष्ट्रीय मानकों को अंतर्राष्ट्रीय दिशानिदेशों के साथ संरेखित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जैसे कि कोक्स एलिमेंटेरियस आयोग द्वारा स्थापित किए गए।

भारत में बड़े पैमाने पर कीटनाशक अवशेषों का पता लगाने में सक्षम उन्नत परीक्षण प्रयोगशालाओं की कमी है। अधिकांश परीक्षण सुविधाएँ शहरी केंद्रों में स्थित हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उत्पादों की निगरानी को जटिल बनाती हैं।

खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 कीटनाशकों के लिए अधिकतम अवशेष सीमा स्थापित करता है।

ट्रंप के दावों पर स्टार्मर का पलटवार, 'पवन ऊर्जा महंगी नहीं, भविष्य की जरूरत है'

एजेंसी

लंदन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के बीच सोमवार को हुई संयुक्त चर्चा के दौरान पवन ऊर्जा (विंड टर्बाइन्स) को लेकर खुली असहमति देखने को मिली। ट्रंप ने विंड टर्बाइन्स को सबसे महंगी और बदसूरत ऊर्जा करार दिया, जबकि स्टार्मर ने इसका विज्ञान और आर्थिक दृष्टिकोण से बचाव किया। डोनाल्ड ट्रंप ने पवन ऊर्जा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह सबसे महंगी है और यह खेतों, मैदानों और जलमार्गों की सुंदरता नष्ट कर देती है। ये टर्बाइन्स चीन में बनते हैं और केवल आठ साल में जंग लगने लग जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि तेल और गैस जमीन के एक छोटे से छेद से हजार गुना ज्यादा ऊर्जा दे सकते हैं। पवन ऊर्जा अस्थिर है, इसे भारी सब्सिडी की जरूरत होती है। हमने अमेरिका में इसे प्रतिबंधित किया है क्योंकि यह पक्षियों को भी मार देती है। ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया स्वरूप ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि पवन ऊर्जा न केवल सस्ती होती जा रही है, बल्कि यह ब्रिटेन की ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय लक्ष्यों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हम निवेश कर रहे हैं पवन ऊर्जा में क्योंकि यह हमारी भावी पीढ़ियों के लिए जरूरी है। यह साफ-सुथरी, टिकाऊ और घरेलू स्रोतों से बनने वाली ऊर्जा है, जो हमें रूस या खाड़ी देशों पर निर्भर नहीं रहने देती।

भूख से जूझते लोगों की संख्या में लगातार तीसरे वर्ष गिरावट, 2024 में वैश्विक स्तर पर सुधार : संयुक्त राष्ट्र

अदीस अबाबा/न्यूयॉर्क। कोविड महामारी के बाद उपजी वैश्विक खाद्य संकट की स्थिति से दुनिया अब धीरे-धीरे उबरती दिख रही है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में भूख से जूझने वाले लोगों की संख्या लगातार तीसरे वर्ष घटी है। हालांकि अफ्रीका और पश्चिमी एशिया में जलवायु संकट और संघर्ष के चलते कुपोषण की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र की पांच एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में लगभग 673 मिलियन (67.3 करोड़) लोग, यानी दुनिया की 8.2 प्रतिशत जनसंख्या, भूख का सामना कर रही थी। यह आंकड़ा 2023 में 8.5त्न था, जो अब गिरकर 8.2फीसदी हो गया है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने कहा कि भारत और दक्षिण अमेरिका में खाद्य पहुंच में सुधार के चलते वैश्विक स्तर पर भूख में यह गिरावट संभव हुई है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि अफ्रीका और पश्चिम एशिया जैसे क्षेत्रों में जारी संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, और ऋण संकट इन सुधारों को पलट सकते हैं।टोरेरो ने इथियोपिया में यूएन खाद्य सम्मेलन के दौरान कहा कि यदि संघर्ष बढ़ता रहा, असुरक्षा और कर्ज का बोझ बढ़ता रहा, तो भूख से जूझने वालों की संख्या दोबारा बढ़ सकती है।

गाजा में इजराइली हमले जारी, गर्भवती महिला और नवजात समेत 36 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा/तेल अवीव। युद्धग्रस्त गाजा पट्टी में इजराइली हमलों का कहर सोमवार को भी जारी रहा, जिसमें कम से कम 36 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में एक गर्भवती महिला और उसका नवजात शिशु भी शामिल हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब गाजा में भुखमरी और मानवीय संकट लगातार गहराता जा रहा है। इजराइल ने अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ने के बाद कुछ मानवीय राहत उपायों की घोषणा की है। बीते दिन रविवार को इजराइली सैन्य प्रशासन ने घोषणा की कि गाज़ा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी क्षेत्रों में हर दिन सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक सैन्य कार्रवाई रोकी जाएगी, ताकि राहत सामग्री के वितरण और सुरक्षित मार्गों को सुनिश्चित किया जा सके। हालांकि, हुए हवाई हमले घोषित अस्थायी युद्धविराम की समयसीमा के बाहर हुए, और इजरायली सेना ने इन हमलों पर कोई तत्काल टिप्पणी नहीं की है।

भूटान के गलेफू शहर में लगी आग से मची अफरा-तफरी

गेलेफू (भूटान)। भारत के असम (चिरांग जिला) से सटे पड़ोसी देश भूटान के गेलेफू शहर में भयावह आग लगने की घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। यह घटना भारत-भूटान अंतरराष्ट्रीय सीमा के दादगिरी से भूटान के गेलेफू शहर के प्रवेश द्वार के पास स्थित नव-निर्मित इमिग्रेशन कार्यालय में घटी। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, अनुमान है कि यहां चल रहे निर्माण के दौरान विद्युत शार्ट सर्किट के कारण आग लगने की घटना घटी। आधिकारिक जांच अभी जारी है, इस हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। बताया जा रहा है कि आग नवनिर्मित गेट के इमिग्रेशन काउंटर पर लगी। भूटानी अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं फिलहाल आग पर काबू पाने के लिए काम कर रही हैं। घटना के बाद, भूटानी अधिकारियों ने सीमा पार आवाजाही को अस्थायी रूप से रोक दिया है।

श्रीलंका के पूर्व नौसेना प्रमुख उलुगेटेने अपहरण और हत्या के केस में जेल भेजे गए

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व नौसेना प्रमुख निशांत उलुगेटेने को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने 15 साल पुराने अपहरण और हत्या के केस में गिरफ्तार किया है। इस केस के कई अन्य संदिग्धों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। सीआईडी ने निशांत उलुगेटेने को आज पोलगाहवेला मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उलुगेटेने को न्यायिक हिरासत में केगाले रिमांड जेल भेज दिया। श्रीलंका के समाचार पोर्टल न्यूज फर्स्ट की खबर के अनुसार उनकी गिरफ्तारी 15 साल पहले के पोथुहेरा इलाके के एक व्यक्ति के अपहरण और कथित हत्या से जुड़ी है। उस समय उलुगेटेने नौसेना खुफिया विभाग के

प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। जांच अधिकारियों का मानना है कि पीड़ित को कथित तौर पर उलुगेटेने की कमान में संचालित एक अनधिकृत हिरासत केंद्र में रखा गया। हिरासत केंद्र से भेजे गए एक पत्र के सामने आने के बाद मामले को फिर से खोला गया और नए सिरे से जांच की गई। इस घटना के सिलसिले में कई संदिग्धों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

पूर्व डीआईजी झूठी शिकायत दर्ज कराने के आरोप में गिरफ्तार

इसके अलावा सीआईडी ने पूर्व डीआईजी प्रियंता जयकोडी को कथित तौर पर एक झूठी शिकायत दर्ज कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

इसमें दावा किया गया था कि अंडरवर्ल्ड सरगना केहलबद्दारा पद्मे ने उन्हें धमकी दी थी। पुलिस ने कहा कि पूर्व वरिष्ठ अधिकारी वर्तमान में स्वास्थ्य कारणों से कोलंबो नॉर्थ टीचिंग अस्पताल में सीआईडी की हिरासत में हैं।

दक्षिण कोरिया: पत्नी से जुड़े मामले की पूछताछ में नहीं पेश हुए पूर्व राष्ट्रपति योल

एजेंसी

सोल । गिरफ्तार दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल मंगलवार को विशेष जांच दल के सामने पेश नहीं हुए। यह पेशी उनकी पत्नी किम क्योन ही से जुड़े विभिन्न आरोपों के जांच के सिलसिले में होनी थी। पूर्व राष्ट्रपति यून और उनकी पत्नी पर चुनावी नामांकनों में हस्तक्षेप करने के आरोप हैं। इस मामले में उन्हें विशेष वकील मिन जुंग-की के ऑफिस में पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वे निर्धारित समय पर नहीं पहुंचे। यून की ओर से उनकी गैर-हाजिरी को लेकर अभी तक कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। हालांकि, पूर्व राष्ट्रपति इससे पहले मार्शल लॉ डिक्री की जांच कर रही एक अन्य विशेष जांच टीम की पूछताछ से भी कन्नी काट चुके हैं। स्वास्थ्य कारणों का हवाला दे वो पेश नहीं हुए थे। इसके जवाब में, विशेष वकील मिन जुंग-की की टीम ने यून के पक्ष को सूचित किया है कि उन्हें बुधवार सुबह 10 बजे पूछताछ के लिए उपस्थित होना होगा।अगर यून पूछताछ के लिए लगातार इनकार करते हैं, तो टीम उन्हें जबरन लाने पर विचार कर सकती है।पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल पर 2022 के उपचुनाव में पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) के एक उम्मीदवार के नामांकन में हस्तक्षेप करने का संदेह है। योल पर आरोप है कि उन्होंने 2022 के उपचुनाव के लिए पूर्व सांसद किम यंग-सुन को पार्टी का टिकट दिलवाने में मदद की थी। इसके बदले उन्होंने कथित तौर पर खुद को पावर ब्रोकर कहने वाले म्यंग ताए-क्युन से फ्री ओपिनियन पोल प्राप्त किया था; यह सब उस साल के राष्ट्रपति चुनाव से पहले हुआ।

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान को 2023 के आठ मामलों में नहीं दी जमानत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 09 मई, 2023 के आठ मामलों में जमानत देने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने उनके वकील के अनुरोध पर नोटिस भी नहीं जारी किए और इन मामलों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई 12 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी।

डान अखबार की खबर के अनुसार नवंबर, 2024 में लाहौर की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने 09 मई, 2023 के दंगों से संबंधित मामलों में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान को जमानत देने से इनकार कर दिया था। इस केस में लाहौर कोर कमांडर के घर पर हमला भी शामिल था। जेल में बंद पीटीआई नेता ने इसे लाहौर उच्च न्यायालय में चुनौती दी। उच्च न्यायाल ने 24 जून को उनकी याचिका खारिज कर दी। इमरान ने पिछले सप्ताह लाहौर उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश याह्या अफरीदी की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ ने

आज इन याचिकाओं पर विचार किया। पीटीआई महासचिव सलमान अकरम राजा अपने नेता इमरान की ओर से अदालत में पेश हुए, क्योंकि उनके मुख्य वकील सलमान सफदर देश से बाहर होने के कारण सुनवाई में शामिल नहीं हो सके। राजा ने पीठ को सूचित किया कि सफदर ने सुनवाई अगले सप्ताह तक स्थगित करने का अनुरोध किया है। उन्होंने अनुरोध किया कि मामले से संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए जाएं और सुनवाई अगले हफ्ते के लिए निर्धारित की जाए। पीठ ने अनुरोध को अस्वीकार करते हुए सुनवाई 12 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी।

अमेरिका में बंदूकधारी ने पुलिस अधिकारी समेत चार की जान ली, खुद को भी उड़ा लिया

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका में न्यूयॉर्क शहर के मिडटाउन मैनहट्टन के पार्क एवेन्यू में एक गगनचुंबी इमारत में शाम घुसे बंदूकधारी ने एक पुलिस अधिकारी समेत चार लोगों के जिस्मों को छलनी कर दिया। आखिर में पुलिस की गोली से घायल संदिग्ध बंदूकधारी ने खुद को गोलीमार कर आत्महत्या कर ली।

न्यूयॉर्क पोस्ट की खबर के अनुसार, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एआर-15 राइफल लेकर घुसे व्यक्ति ने गगनचुंबी इमारत में घुसकर गोलियों की बौछार कर दी। इस गोलीबारी में न्यूयॉर्क शहर के एक पुलिस अधिकारी समेत चार लोगों की मौत हो गई। इस दौरान पुलिस की गोली लगने से घायल संदिग्ध बंदूकधारी ने खुद को गोली मार ली। इस गोलीबारी में मारे गए पुलिस अधिकारी की पहचान 36 वर्षीय दीदारुल इस्लाम के रूप में हुई है। वह ब्रोंक्स पुलिस थाने में तैनात थे। पुलिस अधिकारियों ने संवाददाता

सम्मेलन में बताया कि इस्लाम साढ़े तीन साल से पुलिस विभाग में थे। फिलहाल वह 345 पार्क एवेन्यू स्थित इस गगनचुंबी इमारत में तैनात थे। इस इमारत में ब्लैकस्टोन निवेश फर्म का मुख्यालय है। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एरिक एडम्स ने कहा कि हमलावर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। न्यूयॉर्क की पुलिस कमिश्नर जेसिका टिश ने बताया कि हमलावर की पहचान 27 वर्षीय शेन तमुरा के रूप में हुई है। वह लास वेगास का रहने वाला है। उसने यह खूनखराबा 33वीं मंजिल पर किया। इसके बाद खुद भी गोलीमार कर जान दे दी। टिश ने कहा कि उसकी गाड़ी सोमवार शाम 4:24 बजे कोलंबिया (न्यू जर्सी) में देखी गई थी।

बलूचिस्तान में 'सेना उठा ले गई' लोगों को, रिहाई की मांग पर क्वेटा में प्रदर्शन

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में इस साल मई के आखिरी हफ्ते से गायब राजनीतिक कार्यकर्ता गनी बलूच के परिवार, रिश्तेदारों और अन्य लोगों ने संघीय सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर अपना गुस्सा जताया। क्वेटा में प्रेस क्लब के सामने हुए इस विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि गनी बलूच को तत्काल रिहा किया जाए। परिवार का आरोप है कि गनी को सुरक्षा बल के जवान ले गए थे। इस दौरान आरोप लगाया गया कि सेना लोगों को उठाकर ले जाती है। इसके बाद उन लोगों का कुछ भी पता नहीं चल रहा। द बलूचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार क्वेटा प्रेस क्लब के सामने रविवार को हुए विरोध प्रदर्शन में परिवार ने कहा कि गनी बलूच को 25 मई को पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने हिरासत में लिया था। तब से उनके बारे में कुछ भी पता नहीं चल रहा। विरोध प्रदर्शन का आयोजन गनी बलूच के परिवार ने किया। इसमें वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स (वीबीएमपी), नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के सदस्यों और जबरन गायब अन्य लोगों के रिश्तेदारों ने भाग लिया। गनी बलूच के परिवार ने बताया कि वह निराश हो चुके हैं। उन्होंने 27 मई को खुजदार पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज कराने की कोशिश की। एसएचओ ने शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया। लिखित आवेदन भी स्वीकार नहीं किया। उन्होंने अगले दिन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया। वहां से भी कोई सहयोग नहीं मिला। इसके बाद बलूचिस्तान उच्च न्यायालय और खुजदार सत्र न्यायालय में याचिका दायर की। तब भी न तो कोई प्राथमिकी दर्ज की गई है और न ही कोई प्रभावी कानूनी कार्रवाई की गई। नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी ने बयान में कहा कि राजनीतिक रूप से जागरूक युवा और पार्टी सदस्य गनी बलूच को जबरन गायब करना यह दर्शाता है कि बलूच लोगों का शांतिपूर्ण राजनीतिक संघर्ष संघीय सरकार को स्वीकार्य नहीं। वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स के नेताओं ने भी इस घटना की निंदा की है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि गनी बलूच समेत अन्य सभी लापता व्यक्तियों की तत्काल रिहाई की जाए। द बलूचिस्तान पोस्ट के स्थानीय सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान के केच और बरखान जिलों से चार बलूच लोगों को जबरन गायब कर दिया है। लापता लोगों की पहचान मेहरान बलूच, निजाम बलूच, अब्दुल रहमान सैलानी और अदनान पुत्र गफूर के रूप में हुई है। मेहरान और निजाम को पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने केच जिले के सरनाकन इलाके में हिरासत में लिया था। एक अलग घटना में अब्दुल रहमान सैलानी को कथित तौर पर पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने 15 जुलाई को बरखान जिले के रखनी इलाके में हिरासत में लिया था। उनका ठिकाना भी अभी तक पता नहीं चल पाया है। इसके अलावा रविवार रात पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने केच जिले के दश्त के दारचको इलाके से अदनान पुत्र गफूर को हिरासत में लिया। बताया जा रहा है कि उन्हें किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है।

पीएम हुन मानेट का दावा, सीजफायर के बाद कंबोडिया-थाईलैंड सीमा पर सुधरे हालात

एजेंसी

नोम पेन्ह । कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट के अनुसार सोमवार आधी रात से युद्धविराम लागू होने के बाद कंबोडिया-थाईलैंड सीमा पर स्थिति सुधरी है। अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हुन मानेट ने कहा, मलेशिया में एक विशेष बैठक में कंबोडिया और थाईलैंड के बीच हुए समझौते की भावना के अनुरूप, सोमवार आधी रात से युद्धविराम लागू होने के बाद सीमावर्ती क्षेत्र में स्थिति सुधरी है।

उन्होंने कहा, जल्द से जल्द दुश्मनी का खत्म होना प्रभावित लोगों, जैसे कि विस्थापितों, को उनके घर लौटने और सामान्य जीवन दोबारा शुरू करने का मौका देगा। कंबोडियाई सीनेट अध्यक्ष समदेच टेको हुन सेन ने मंगलवार सुबह अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर पोस्ट किया, +यह युद्धविराम और शांति समझौता सकारात्मक और प्रभावी परिणाम दे रहा है। समाचार एजेंसी अनुसार, मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने मलेशिया में आयोजित बैठक में बताया कि थाईलैंड और कंबोडियाई नेता सोमवार देर रात से युद्धविराम लागू करने पर सहमत हो गए हैं। मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की मध्यस्थता में कुआलालंपुर में हुई वार्ता के बाद, कंबोडिया और थाईलैंड ने तत्काल और बिना शर्त युद्धविराम पर सहमति जताई।

संयुक्त प्रेस स्टेटमेंट के अनुसार, यह विशेष बैठक मलेशिया के पुत्राजया शहर में प्रधानमंत्री इब्राहिम की अध्यक्षता, मेजबानी और निगरानी में आयोजित हुई। इस चर्चा में कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट और थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई ने हिस्सा लिया।

बांग्लादेश से सऊदी अरब जा रहे विमान में आई खराबी, एक घंटे बाद लौटना पड़ा ढाका

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश से यात्रियों को लेकर सऊदी अरब जा रहे बांग्लादेश के विमान को तकनीकी खराबी की वजह से ढाका वापस लौटना पड़ा। यात्रियों को दूसरे विमान से रवाना किया गया। बांग्लादेश की राष्ट्रीय विमानन कंपनी 'बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस' के साथ इस हफ्ते दूसरी बार ऐसा हुआ है। 'बिमान' एशिया और यूरोप के लगभग 16 देशों में उड़ानों का संचालित करती है। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस के बोइंग बोइंग 777-ईआर ने दम्मम (सऊदी अरब) के लिए शाम होने से कुछ पहले 3:33 बजे उड़ान भरी। यह उड़ान एक घंटे हवा में रहने के बाद शाम 4:33 बजे ढाका लौट आई। बाद में यात्रियों को

एक अन्य विमान से दम्मम भेजा गया। बिमान कंपनी के सूत्रों के अनुसार, हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लौटी उड़ान की क्षमता लगभग 450 यात्रियों की है। यह लगभग भरी हुई थी। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद पायलट को एक तकनीकी खराबी का पता चला। उसने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वापस लौटने का फैसला किया।बिमान कंपनी के जनसंपर्क विभाग के कार्यवाहक प्रबंधक अल मसूद खान ने बताया कि पायलट को केबिन प्रेशर से संबंधित एक चेतावनी संकेत मिला था। एहतियात के तौर पर बिना कोई जोखिम उठाए विमान को वापस ढाका लाया गया। यात्रियों को बाद में एक अन्य विमान से दम्मम भेजा गया। कंपनी की इंजीनियरिंग टीम ने निरीक्षण के बाद उसे परिचालन की मंजूरी दी है। अब इसे बाद में एक और उड़ान के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इससे पहले 24 जुलाई की सुबह सवा सात बजे दुबई से यात्रियों को लेकर आ रहे इसी कंपनी के एक विमान में चटगांव के शाह अमानत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ढाका के लिए उड़ान भरने के बाद तकनीकी खराबी आ गई थी। इस वजह से उसे चटगांव वापस लौटना पड़ा था। सनद रहे कि 11 जुलाई को बम की धमकी मिलने की वजह से काठमांडू जाने वाले इस कंपनी के विमान को निर्धारित समय से लगभग साढ़े चार घंटे बाद रात नौ बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना किया गया था।

चीन में भारी बारिश और बाढ़ से तबाही, 30 लोगों की मौत

एजेंसी

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में भारी बारिश और बाढ़ से 30 लोगों की जान चली गई।जबकि 80 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। बीजिंग मौसम विज्ञान सेवा का अनुमान है कि मंगलवार तक मूसलाधार बारिश जारी रहेगी। जिससे हालात और बिगड़ने का अंदेशा है। ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक बीजिंग में हो रही अत्यधिक बारिश से भारी नुकसान हुआ है। आपदा के कारण शहर भर में कुल 30 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें मियुन जिले 28 और यानकिंग जिले में 2 लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही बीजिंग में बाढ़ में फंसे कुल 80,332 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है। तीन जिले मियून, हुआइरो और फांगशान में सबसे बड़ी संख्या में लोगों को स्थांतरित किया गया है।मियून और

हुआइरौ जिलों में भीषण बाढ़ से हुई भारी जनहानि और संपत्ति की क्षति को देखते हुए राष्ट्रीय विकास और सुधार आयोग ने आपातकालीन पुनर्वास प्रयासों में बीजिंग की सहायता के लिए केंद्र सरकार के बजट से 200 मिलियन युआन (27.9 मिलियन डॉलर) की तत्काल राशि आवंटित की है।

'गणभवन' की संरचना में बदलाव को लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर अवामी लीग का हमला

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश की अवामी लीग ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के आधिकारिक निवास 'गणभवन' में संरचनात्मक बदलाव करने के फैसले को लेकर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की कड़ी आलोचना की है। पार्टी ने इस फैसले को 'गैर-जिम्मेदाराना और अपमानजनक' करार दिया है। पार्टी ने इस कदम को देश की लोकतांत्रिक विरासत पर हमला बताते हुए अंतरिम प्रशासन पर अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर काम करने का आरोप लगाया। पार्टी ने इस कदम को 'गैर-जिम्मेदाराना और अपमानजनक' बताते हुए गणभवन परिसर के अंदर 'तथाकथित सामूहिक कब्रिस्तान' बनाने के 'अवैध, फासीवादी कब्जाधारी यूनुस और उनके गुट के राजनीति से प्रेरित प्रयास' पर गंभीर चिंता जताई।अवामी लीग ने बयान जारी करते हुए कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि यह अवैध कब्जा करने वाला समूह यह समझने में नाकाम रहा है कि गणभवन शेख हसीना का निजी आवास नहीं है। यह बांग्लादेश के शासनाध्यक्ष का आधिकारिक आवास है। इसे राष्ट्रीय संसद परिसर की वास्तुशिल्प योजना के अनुरूप डिजाइन किया गया है। प्रतिष्ठित अमेरिकी वास्तुकार लुई आई काहन ने संसद भवन और उसके आसपास की संरचनाओं का डिजाइन तैयार किया था।

जनसंख्या गिरावट को देखते हुए चीन ने की चाइल्ड केयर सब्सिडी की घोषणा, प्रति बच्चा हर साल 500 डॉलर

एजेंसी

बीजिंग। पिछले तीन साल से जनसंख्या में गिरावट का सामना कर रहे चीन ने दंपतियों को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रव्यापी शिशु देखभाल नकद सब्सिडी नीति की घोषणा की है। सरकार का कहना है कि यह बच्चों के पालन-पोषण करने वाले परिवारों पर वित्तीय दबाव कम कर देश की जन्मदर को बढ़ावा देने के उद्देश्य लाई गई है। ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक चीन की सरकार तीन वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे के माता-पिता को प्रति वर्ष 3,600 युआन (502 डॉलर) का नकद भुगतान करेगी। यह सब्सिडी बच्चे के तीन साल का होने तक दी जाएगी। 1 जनवरी, 2025 से पहले जन्मे और अभी भी तीन साल से कम उम्र के बच्चों के लिए यह सब्सिडी पात्र महीनों की संख्या के आधार पर आनुपातिक रूप से दी जाएगी। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने

बयान जारी कर कहा है कि राष्ट्रव्यापी बाल देखभाल सब्सिडी प्रणाली लागू करना एक नई नीति है जो लाखों परिवारों को प्रभावित करती है। इस नीति से हर साल शिशुओं और छोटे बच्चों वाले 2 करोड़ से ज़्यादा परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है। एनएचसी के अनुसार, सभी स्थानीय निकाय बाल देखभाल सब्सिडी प्रणाली के लिए विस्तृत कार्यान्वयन योजनाएँ बनाने में लगे हुए हैं और इसके क्रियान्वयन की तैयारी कर रहे हैं। अगले माह अगस्त के अंत में देशभर में बाल देखभाल सब्सिडी के लिए आवेदन शुरू होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि पिछले तीन साल से देश की जनसंख्या में लगातार गिरावट आ रही है और संयुक्त राष्ट्र जनसांख्यिकी मॉडल का अनुमान है कि इस गिरावट के जारी रहने पर यह आज की 1.4 बिलियन से घटकर 2100 तक 800 मिलियन हो जाएगी। पिछले वर्ष चीन में 9.54 मिलियन बच्चे पैदा हुए, जो 2016 की तुलना में आधी संख्या है। खास बात यह है कि साल 2016 में चीन ने तीन दशकों से लागू अपनी एक-बच्चा नीति खत्म की थी

। हाल के वर्षों में पाया गया है कि चीन में विवाह दरों में भी भारी गिरावट आई है और ज्यादातर युवा दंपति बच्चों के पालन-पोषण पर होने वाले भारी-भरकम खर्च और करिअर संबंधी चिंताओं के चलते बच्चे पैदा करने से कतराते हैं।

देश का औद्योगिक उत्पादन जून में 10 महीने के निचले स्तर 1.5 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के औद्योगिक उत्पादन में गिरावट दर्ज हुई है। खनन और बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन के कारण औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर जून में सुस्त पड़कर 10 माह के निचले स्तर 1.5 फीसदी पर आ गई है। औद्योगिक उत्पादन इससे पिछले साल जून में 4.9 फीसदी की दर से बढ़ा था। मानसून के जल्दी आने से खनन और बिजली क्षेत्र की गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने मई महीने के जारी औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर के आंकड़े को भी संशोधित कर 1.9 फीसदी कर दिया है, जबकि इससे पहले इसके 1.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया था। आंकड़ों के मुताबिक अगस्त, 2024 के बाद औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि सबसे कम है, उस समय इसकी वृद्धि दर स्थिर रही थी। एनएसओ के जारी आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन की वृद्धि जून में मामूली रूप से बढ़कर 3.9 फीसदी रही, जो पिछले साल इसी अवधि में 3.5 फीसदी थी। खनन क्षेत्र के उत्पादन में 8.7 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि एक साल पहले इसमें 10.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी। इसी तरह बिजली क्षेत्र के उत्पादन में जून में 2.6 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में इसमें 8.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई थी। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) की अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन में दो फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में इसमें 5.4 फीसदी की वृद्धि हुई थी।

आयकर विभाग को तकनीकी गड़बड़ी के चलते खारिज ई-रिटर्न की प्रोसेसिंग के लिए समय मिला

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने पिछले कुछ वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक रूप से दाखिल आयकर रिफंड के दावों को प्रोसेसिंग में त्रुटि पूर्ण तरीके से अमान्य किये गये मामलों में प्रोसेसिंग प्रक्रिया के लिए समय सीमा में छूट प्रदान की है। यह निर्णय विगत में दाखिल कुछ मामलों में प्रोसेसिंग के दौरान तकनीकी दिक्कतों की शिकायत मिलने के बाद किया गया है। बोर्ड में इस संबंध में परिपत्र संख्या -10/2025 जारी किया है?। सीबीडीटी ने जारी परिपत्र में कहा है कि उसे आयकर के सीपीसी बेंगलुरु को विभिन्न तकनीकी कर्म से कुछ रिटर्न को त्रुटि पूर्ण तरीके से अमान्य किए जाने के संबंध में शिकायतें मिलने की सूचना मिली थी। परिपत्र में कहा गया है कि ऐसे रिटर्न के संबंध में प्रोसेसिंग की समय सीमा नियमानुसार बढ़ा दी गयी है और संबंधित करदाताओं को अब उनके रिटर्न के बारे में सूचना 31 मार्च 2026 तक भेज दी जाएगी। सीबीडीटी ने कहा है कि ऐसे मामलों में ब्याज सहित रिफंड की कार्यवाही की जाएगी लेकिन इसके लिए संबंधित मामलों में पेन और आधार का लिंक होना जरूरी है।

नये डिजिटल क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल पर एमएसएमई के 98,995 ऋण आवेदन मंजूर

नई दिल्ली। सरकार ने लोकसभा में बताया कि सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम (एमएसएमई क्षेत्र) की इकाइयों की सुविधा के लिए लागू नये डिजिटल क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल के अंतर्गत चालू वित्त वर्ष में पहली अप्रैल से 15 जुलाई के बीच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) द्वारा कुल 98,995 ऋण आवेदन मंजूर किए गए हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में सदन को यह जानकारी देते हुए कहा कि नये डिजिटल क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल के माध्यम से बैंक ऋण पर निर्णय एक दिन के भीतर लिया जाता है, जिससे मैनुअल तरीकों की तुलना में कार्य निष्पादन समय (टीएटी) में काफी कमी आयी है। इस मॉडल के उपयोग से एमएसएमई इकाइयों को ऑनलाइन मोड में कहीं से भी आवेदन प्रस्तुत करने की आसानी, कागजी कार्रवाई और शाखा में जाने की आवश्यकता कम होने, डिजिटल मोड के माध्यम से तत्काल मंजूरी, ठोस सूचना और कारोबार के आधार पर ऋण संबंधी निर्णय जैसे लाभ हो रहे हैं। मंत्री ने बताया कि नए मॉडल के तहत ऋण संबंधी निर्णय उधारकर्ता के वस्तुनिष्ठ आंकड़ों तथा कारोबार के व्यवहार और आवेदक के कर्ज संबंधी इतिहास पर आधारित होता है। केंद्रीय बजट 2024-25 में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए नये डिजिटल ऋण मूल्यांकन मॉडल की घोषणा की गई थी।

गेहूँ नरम, चावल महँगा, गुड़-चीनी, दालें महँगी, खाद्य तेलों में घटबढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के दाम बढ़ गये जबकि गेहूं में गिरावट रही। गुड़ और चीनी के भाव भी चढ़े। दालों के दाम बढ़े हैं जबकि खाद्य तेलों में उतार चढ़ाव देखा गया। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अक्टूबर वायदा 34 रिंगिट गिरकर 4,239 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। अमेरिका में सोया तेल वायदा में 0.03 प्रतिशत की तेजी रही और यह 56.01 डॉलर के भाव बोला गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 84 रुपये बढ़कर 3,813.84 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुँच गयी। वहीं, गेहूँ 13 रुपये की नरमी के साथ 2,823.83 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा 18 रुपये सस्ता होकर 3,282.27 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। सरसों तेल 66 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मूँगफली तेल औसतन 34 रुपये प्रति क्विंटल महँगा हुआ। सोया तेल 80 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। वनस्पति करीब 30 रुपये प्रति क्विंटल महँगा हुआ। सूरजमुखी तेल में 53 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गयी। पाम ऑयल के दाम लगभग स्थिर रहे। दाल-दलहनों में तेजी रही। दलहन बाजार में मसूर दाल में औसतन 95 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त दर्ज की गयी।

राजस्थान को मनरेगा में केंद्र सरकार ने दिए 4384 करोड़ रुपये-शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कृषि भवन में मुलाकात की। इस दौरान ग्रामीण विकास और कृषि क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। बैठक में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव शैलेष सिंह, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट सहित दोनों केंद्रीय मंत्रालयों और राजस्थान के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने बताया कि केंद्रीय ग्रामीण विकास विभाग की ओर से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) योजना के तहत 3286 करोड़ रुपये मजदूरी मद में, 944 करोड़ रुपये मटेरियल कॉम्पोनेंट के तथा प्रशासनिक मद में 154 करोड़

रुपये यानी कुल मिलाकर 4384 करोड़ रुपये की राशि राजस्थान को इसी वित्तीय वर्ष में दी गई है। इस पर मुख्यमंत्री भजनलाल ने केंद्रीय मंत्री चौहान को राज्य की ओर से धन्यवाद दिया। बैठक में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की प्रगति पर भी चर्चा हुई। इस दौरान शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में इस महत्वपूर्ण योजना के तहत राजस्थान में बहुत अच्छा कार्य हुआ है। वृहद स्तर पर सर्वे किया जा चुका है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने इस पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि आगे बनने वाले आवासों के सर्वे के सत्यापन का कार्य जैसे ही पूरा हो जाएगा, वैसे ही तुरंत अतिरिक्त मकानों के निर्माण की स्वीकृति दे दी जाएगी। राजस्थान में 7.46 लाख मकान बनाए जाना है, जिनमें से पीएम-जनमन योजना के तहत भी निर्माण होना है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को बारे में भी बैठक में चर्चा हुई। कृषि से जुड़े मुद्दों में 'पर ड्रॉप-मोर क्रॉप', बारिश का पानी संग्रहित करने के लिए तालाब रूपी डिग्गी निर्माण और खेतों में तार की बाड़ लगाने को लेकर योजनाओं के कार्यान्वयन की प्रगति पर चर्चा हुई। वहीं, जयपुर के बस्सी क्षेत्र में कृषि की उल्लेखनीय प्रगति को लेकर भी बातचीत हुई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्र सरकार की मदद से ग्राम पंचायत स्तर पर 'कृषि पर्यवेक्षकों' की व्यवस्था की मंशा भी जताई। विभिन्न विषयों के साथ-साथ अंतरराज्यीय व्यापार को मजबूत करने, राजस्थान की बेहतर मूंगफली किस्मों को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें अधिसूचित करने एवं राजस्थान के लोकप्रिय अरंडी के तेल के संवर्धन को लेकर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को राजस्थान में मानसून की अच्छी प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष राजस्थान में अपेक्षा अनुरूप अच्छी बारिश हुई है, जिसका असर निश्चित तौर पर अच्छी फसल के रूप में देखने को मिलेगा।

औद्योगिक एवं संस्थागत विकास में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आधारभूत योगदान को किया गया याद

एजेंसी

नई दिल्ली। देश ने औद्योगिक एवं संस्थागत विकास में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आधारभूत योगदान को याद किया। भारी उद्योग मंत्रालय ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात राज्यमंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने अपने संबोधन में संविधान सभा के सदस्य के रूप में और बाद में केंद्रीय उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में डॉ. मुखर्जी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। वर्मा ने देश के औद्योगिक और संस्थागत विकास में डॉ. मुखर्जी के मूलभूत योगदान को भी रेखांकित किया। उन्होंने अपने संबोधन में उन्हें एक प्रखर विद्वान, राजनेता, निर्भीक सांसद और शिक्षाविद् के रूप में याद किया, जिनका जीवन साहस, दृढ़ विश्वास और एक राष्ट्र, एक संविधान में अटूट विश्वास का एक कालातीत प्रतीक बना हुआ है। इस अवसर पर डॉ. मुखर्जी विरासत और योगदान को श्रद्धांजलि स्वरूप एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गयी। यह फिल्म उनके जीवन की दुर्लभ झलकियों और प्रभावशाली वर्णन के जरिए उन्हें एक राष्ट्र निर्माता और दूरदर्शी नेता के रूप में प्रस्तुत करती है, विशेष रूप से भारत के औद्योगिक विकास की नीव रखने में उनकी भूमिका को रेखांकित करती है। इससे पहले उद्घाटन भाषण में भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव कामरान रिजवी ने भारत के औद्योगिक विकास के लिए डॉ. मुखर्जी के विजन पर बल दिया, विशेष रूप से राष्ट्रीय प्रगति को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत और आत्मनिर्भर औद्योगिक आधार बनाने पर उनके जोर को रेखांकित किया।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, सोना-चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार पांच दिनों की गिरावट के बाद आज घरेलू सर्राफा बाजार सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज के कारोबार में सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण आज भी देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये से लेकर 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज सोमवार के भाव 91,590 रुपये से लेकर 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच ही बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,15,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई

में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत में पिछले 6 वित्तीय वर्षों में 12,000 लाख करोड़ रुपये के 65,000 करोड़ से अधिक हुए डिजिटल लेनदेन

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में डिजिटल लेन-देन में वित्त वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। पिछले छह वित्त वर्षों में 65,000 करोड़ से अधिक डिजिटल लेन-देन हुए हैं, जिनकी कुल राशि 12,000 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने देशभर में भुगतान के डिजिटलीकरण की सीमा को मापने के लिए डिजिटल भुगतान सूचकांक (आरबीआई-डीपीआई) विकसित किया है। पंकज चौधरी ने एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि सरकार देश में डिजिटल भुगतान को अपनाने की दर बढ़ाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई), फिनटेक, बैंकों और राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रही है, जिसमें टियर-2 और टियर-3 शहर भी शामिल हैं। वित्त

राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक और सवाल के जवाब में कहा कि 1 अप्रैल से 15 जुलाई, 2025 के बीच नए क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की ओर से कुल 98,995 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) ऋण आवेदन मंजूर किए गए हैं। उन्होंने बताया कि नए डिजिटल क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल के माध्यम से बैंक ऋण पर निर्णय एक दिन के भीतर लिया जाता है, जिससे मैनुअल तरीकों की तुलना में टर्न अराउंड टाइम (टीएटी) में काफी कमी आती है। उन्होंने सदन को बताया कि केंद्रीय बजट 2024-25 में एमएसएमई के लिए नए डिजिटल ऋण मूल्यांकन मॉडल की घोषणा की गई थी। इस मॉडल में यह परिकल्पना की गई थी कि पीएसबी बाहरी मूल्यांकन पर निर्भर रहने के बजाय एमएसएमई को ऋण प्रदान करने के लिए अपनी आंतरिक क्षमता का निर्माण करेंगे। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अर्थव्यवस्था में एमएसएमई के डिजिटल फुटप्रिंट्स के स्कोरिंग के आधार पर एक नया ऋण मूल्यांकन मॉडल विकसित करेंगे। इसके बाद केंद्रीय वित्त मंत्री ने 6 मार्च, 2025 को एमएसएमई के लिए नए ऋण मूल्यांकन मॉडल का शुभारंभ किया था।

स्टॉक मार्केट में मोनार्क सर्वेयर्स की जोरदार एंट्री, लिस्टिंग के बाद बना बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली। सिविल इंजीनियरिंग कंसल्टेंसी फर्म मोनार्क सर्वेयर्स एंड इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 250 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 68.50 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 421.25 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण कंपनी के शेयरों में गिरावट आ गई। सुबह 10.30 बजे तक का कारोबार होने के बाद भी कंपनी के शेयर 407 रुपये के स्तर पर पहुंचे हुए थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों का मुनाफा घटकर 62.80 प्रतिशत के स्तर पर आ गया है। मोनार्क सर्वेयर्स एंड इंजीनियरिंग

कंसल्टेंट्स का 93.75 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 250.65 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 179.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 317.05 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 263.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 37.50 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 8.59 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 30.01 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 34.83 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी के राजस्व में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। 2022-23 में कंपनी को 11.68 करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जो 2023-24 में बढ़ कर 42.78 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 51.10 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टॉक मार्केट में विदेशी संस्थागत निवेशकों की जमकर बिकवाली के कारण आज रुपया डॉलर की तुलना में गिरावट के साथ बंद हुआ। मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 13 पैसे फिसल कर 86.66 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय मुद्रा 86.53 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 6 पैसे की मजबूती के साथ 86.47 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। दिन के कारोबार के दौरान कुछ समय के लिए डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपया 13 पैसे की मजबूती के साथ 86.40 के स्तर तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों बिकवाली शुरू करके डॉलर की निकासी शुरू कर दी। ऐसा होने पर मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग बढ़ गई, जिससे रुपये पर भी दबाव बढ़ गया। डॉलर की मांग तेज होने पर रुपया ऊपरी स्तर से 27 पैसे फिसल कर 14 पैसे की कमजोरी के साथ 86.67 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में मुद्रा बाजार में डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपये की स्थिति में मामूली सुधार हुआ और भारतीय मुद्रा ने 86.66 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। कैपेक्स गोल्ड एंड इंवेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का मानना है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार से अपने पैसे की निकासी के साथ ही वैश्विक बाजार में जारी उथल पुथल ने आज भारतीय मुद्रा को कमजोर करने में अहम भूमिका निभाई।

ई-श्रम पोर्टल पर 30.95 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिक पंजीकृत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में ई-श्रम पोर्टल पर 22 जुलाई, 2025 तक 30.95 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिक पंजीकृत हो चुके हैं। इस पोर्टल का उद्देश्य असंगठित श्रमिकों को स्व-घोषणा के आधार पर एक सार्वभौमिक खाता संख्या (यूएएन) प्रदान करके उनका पंजीकरण और सहायता करना है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंत्रालय ने 26 अगस्त, 2021 को आधार से जुड़े असंगठित श्रमिकों (एनडीयूडब्ल्यू) का एक व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करने के लिए ई-श्रम पोर्टल (eshram.gov.in) की शुरूआत की थी। उन्होंने सदन को बताया कि अब तक विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों की चौदह 14 योजनाओं को पहले ही ईश्रम के साथ एकीकृत/मैप किया जा चुका है,

ताकि ईश्रम कार्डधारकों को सामाजिक सुरक्षा, बीमा अथवा कौशल विकास कार्यक्रमों के लाभ और पहुंच प्रदान की जा सके, जिसमें प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएमस्वनिधि), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना (एनएफबीएस), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, (एमजीएनआरईजीएस), प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण (पीएमएवाई-जी), आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई), प्रधानमंत्री आवास योजना, शहरी (पीएमएवाई-यू), प्रधान मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई), प्रधानमंत्री किसान मान धन योजना (पीएम-केएमवाई), वन नेशन वन राशन कार्ड (ओएनओआरसी) और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) शामिल हैं। इसके अलावा ई-श्रम को प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन (पीएम-एसवाईएम), राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस), स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच), नए युग के शासन के लिए एकीकृत मोबाइल एप्लिकेशन (उमंग), डिजिटल लॉकर (डिजिलॉकर), माईस्कीम और ओपन गवर्नमेंट डेटा प्लेटफॉर्म (ओजीडी) के साथ भी जोड़ा गया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था वृद्धि की राह पर अग्रसरः वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर रुख के साथ वृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। हालांकि, मंत्रालय का कहना है कि कर्ज वृद्धि में सुस्ती जरूर चिंता का विषय है। वित्त मंत्रालय ने जून, 2025 के लिए जारी मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। मंत्रालय ने अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में घरेलू आपूर्ति और मांग की बुनियाद मजबूत दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अर्थव्यवस्था स्थिर रुख के साथ वृद्धि के रास्ते पर अपनी गति को बनाये हुए है। रिपोर्ट के मुताबिक मुद्रास्फीति लक्ष्य के दायरे में रहने और मानसून में अच्छी प्रगति के साथ घरेलू अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत

मजबूती के साथ वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में प्रवेश की है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर तनाव और नहीं बढ़ा है, लेकिन वैश्विक नरमी, विशेष रूप से अमेरिका में कमजोर आर्थिक वृद्धि दर भारतीय निर्यात की मांग को और कम कर सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी की आर्थिक वृद्धि दर 2025 की पहली तिमाही में 0.5 फीसदी घटी है, जो भारतीय निर्यात की मांग को और कम कर सकती है। मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है, अमेरिकी टैरिफ के मोर्चे पर जारी अनिश्चितता आने वाली तिमाहियों में भारत के व्यापार प्रदर्शन पर असर डाल सकती है।

एम एंड बी इंजीनियरिंग का आईपीओ 30 जुलाई को

एजेंसी

अहमदाबाद। एम एंड बी इंजीनियरिंग लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 30 जुलाई को खुलेगा और इसमें 10 रुपये के अंकित मूल्य वाले शेयर के आवेदन मूल्य का दायरा 366 से 385 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि उसका आईपीओ बुधवार, 30 जुलाई को खुलेगा और शुक्रवार 01 अगस्त को बंद होगा। एंकर निवेशक मंगलवार को बोली लगा सकेंगे। छोटे निवेशक न्यूनतम 38 या उसकी गुणक संख्या में शेयरों के लिए आवेदन कर सकेंगे। यह

निर्गम प्रस्तावित 650 करोड़ रुपये तक का है, जिसमें 275 करोड़ रुपये मूल्य तक के नये इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे और वर्तमान शेयरधारक शेयर बाजार में 375 करोड़ रुपये मूल्य तक के शेयर बिक्री के प्रस्ताव (ओएफएस) के तहत बेचने वाले हैं। कंपनी ने आईपीओ के पैसे से उपकरण और मशीनरी की खरीद, भवन तथा सौर रूफटॉप ग्रिड के निर्माण और वाहनों की खरीद की योजना बना रखी है। इसके अलावा वह इस पैसे से सूचना प्रौद्योगिकी सॉफ्टवेयर उन्नयन तथा पुराने ऋणों के पूर्व-भुगतान करेगी और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य पूरे करेगी।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 10.33 करोड़ एलपीजी कनेक्शन दिए गए : सुरेश गोपी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत देशभर में 01 जुलाई, 2025 तक लगभग 10.33 करोड़ एलपीजी गैस कनेक्शन वितरित किए जा चुके हैं। ये योजना मई 2016 में देशभर के गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को बिना जमा राशि के एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गयी थी।केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री सुरेश गोपी ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मई 2016 में शुरू की गई प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 8 करोड़ कनेक्शन जारी करने का लक्ष्य सितंबर, 2019 में हासिल कर लिया गया था। शेष गरीब परिवारों को शामिल करने के लिए अगस्त, 2021 में उज्ज्वला 2.0 शुरू की गई थी, जिसका लक्ष्य 1 करोड़ अतिरिक्त पीएमयूवाई कनेक्शन जारी करना था, जो जनवरी 2022 में हासिल कर लिया गया। सुरेश गोपी ने सदन को बताया कि इसके बाद सरकार ने उज्ज्वला 2.0 के तहत 60 लाख और एलपीजी कनेक्शन जारी करने का निर्णय लिया। यह लक्ष्य

दिसंबर 2022 के दौरान 1.60 करोड़ उज्ज्वला 2.0 कनेक्शन का लक्ष्य भी हासिल कर लिया गया। इसके अलावा सरकार ने पीएमयूवाई योजना के तहत अतिरिक्त 75 लाख कनेक्शन जारी करने को मंजूरी दी थी, जो जुलाई 2024 तक हासिल कर लिया गया है। इस तरह 01 जुलाई, 2025 तक देशभर में 10.33 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन हैं।पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री ने बताया कि पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी को और अधिक किफायती बनाने और उनके द्वारा एलपीजी के निरंतर उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने मई 2022 में पीएमयूवाई उपभोक्ताओं को प्रति वर्ष 12 रिफिल तक 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर पर 200 रुपये की लक्षित सब्सिडी शुरू की। सरकार ने अक्टूबर 2023 में लक्षित सब्सिडी को बढ़ाकर 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर पर 300 रुपये कर दिया। पीएमयूवाई उपभोक्ताओं को 300 रुपये प्रति सिलेंडर की लक्षित सब्सिडी के बाद भारत सरकार दिल्ली में 553 रुपये प्रति सिलेंडर की प्रभावी कीमत पर 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर प्रदान कर रही है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के बारे में जागरूकता पैदा करने और एलपीजी के उपयोग से जुड़ी किसी भी समस्या के समाधान के लिए तेल विपणन कंपनियां नियमित रूप से ग्राहकों के लिए एलपीजी पंचायतों का आयोजन करती हैं। सरकार ने पीएमयूवाई लाभार्थियों द्वारा एलपीजी के बेहतर उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें सब्सिडी राशि से ऋण वसूली स्थगित करना, अग्रिम नकद व्यय को कम करने के लिए 14.2 किलोग्राम से 5 किलोग्राम तक स्वैप विकल्प, 5 किलोग्राम डबल बोतल कनेक्शन का विकल्प, लाभार्थियों को निरंतर आधार पर एलपीजी का उपयोग करने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रधानमंत्री एलपीजी पंचायत का आयोजन और जन जागरूकता शिविर आदि शामिल हैं।

एक्ट्रेस बनने से पहले क्या करती थीं

जैकलीन फर्नांडिस

कम उम्र में शुरू कर दिया था काम

जैकलीन फर्नांडिस बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं. उन्होंने बॉलीवुड फिल्मों में काम करके अच्छा खासा नाम कमाया है. वहीं एक्ट्रेस अपने अफेयर्स और महाठग सुखेश चन्द्रशेखर के साथ नाम जुड़ने से विवादों में भी रही हैं. लेकिन, क्या आप ये जानते हैं कि बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम कर चुकी जैकलीन फर्नांडिस एक्ट्रेस बनने से पहले क्या करती थीं. उन्होंने बहुत छोटी उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया था.जैकलीन फर्नांडिस का कभी भारत से कोई नाता नहीं था. बॉलीवुड में काम करने के साथ ही उनका भारत से रिश्ता जुड़ गया था. जबकि इससे पहले उनका ताल्लुक बहरीन और भारत के पड़ोसी मुल्क श्रीलंका से था. जैकलीन श्रीलंकाई मूल की हैं. वो साल 2006 में मिस श्रीलंका का खिताब भी अपने नाम कर चुकी हैं. हालांकि एक्ट्रेस का जन्म बहरीन में हुआ था.

एक्ट्रेस बनने से पहले क्या करती थीं जैकलीन ?

आइए जान लेते हैं कि भारत में आकर एक्ट्रेस बनने से पहले जैकलीन क्या करती थीं. 11 अगस्त 1985 को बहरीन के मनामा में जन्मीं जैकलीन पहले पत्रकारिता की फील्ड से जुड़ी हुई थीं. एक्ट्रेस कभी टीवी रिपोर्टर के रूप में काम कर चुकी हैं. जैकलीन ने सिडनी यूनिवर्सिटी से मास कम्युनिकेशन की पढ़ाई की थी और फिर कम उम्र में ही जर्नलिज्म की दुनिया में काम करना शुरू कर दिया था.

नौकरी के दौरान मिले मॉडलिंग के ऑफर

जैकलीन फर्नांडिस की दिवंगत मां किम फर्नांडिस एयर होस्टेस थीं और उनके पिता श्रीलंका में म्यूजीशियन थे. ऐसे में कम उम्र में ही एक्ट्रेस ने टीवी शो होस्ट करने शुरू कर दिए थे और बाद में टीवी रिपोर्टर बन गईं. हालांकि इस नौकरी के दौरान जैकलीन को मॉडलिंग के ऑफर मिलने लगे थे. फिर उन्होंने मॉडलिंग शुरू कर दी थी और बाद में भारत आ गईं.

'अलादीन' से किया बॉलीवुड डेब्यू

मॉडिंग में हाथ आजमाने के बाद जैकलीन ने बॉलीवुड में करियर बनाने का फैसला लिया. भारत आने के बाद एक्ट्रेस ने हिंदी सिनेमा में शुरुआत की. उनकी पहली फिल्म 'अलादीन' थी जो साल 2009 में रिलीज हुई थी. जैकलीन अपने 16 साल के एक्टिंग करियर में 'मर्डर 2', 'जुड़वा 2', 'हाउसफुल 2', 'किक', 'हाउसफुल 3', 'रेस 3' और 'ढिशूम' जैसी सफल फिल्में दी हैं.

'उसका दिल सोने का है...' जब 'बॉलीवुड की स्त्री' की हुई जमकर तारीफ, इस दिग्गज ने खोल कर रख दिया था दिल

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर अपनी एक्टिंग और फिल्मों को लेकर काफी सुर्खियां बटोरती रहती हैं. बॉलीवुड में बीते डेढ़ दशक से काम कर रहीं श्रद्धा ने फैंस का दिल अपने अभिनय से कई बार जीता है. श्रद्धा ने कभी बड़े पर्दे पर फैंस को आशिकी करना सिखाया तो कभी स्त्री बनकर लोगों को खूब डराया. बॉलीवुड में श्रद्धा उसी मुकाम पर हैं, जिसपर कभी उनके पिता और दिग्गज एक्टर शक्ति कपूर हुआ करते थे.

शक्ति कपूर ने बॉलीवुड की कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है. कभी विलेन बनकर छाए तो कभी कॉमेडी किरदारों से दर्शकों को पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर कर दिया. श्रद्धा कपूर ने भी अपने पिता की राह चुनी और बॉलीवुड में नाम कमाया. इसमें वो सफल भी रहीं. श्रद्धा का उनके पिता के साथ मजबूत बॉन्ड है और वो पिता के काफी करीब हैं. वहीं शक्ति को भी अपनी बेटी पर नाज है. एक बार तो शक्ति ने बेटी की दिल खोलकर तारीफ की थी और कहा था कि श्रद्धा का दिल सोने का है.

'उसका दिल सोने का है...'

साल 2021 में एक न्यूज पोर्टल से बात करते हुए शक्ति ने अपनी लाडली की तारीफ करते हुए उन्हें भगवान का तोहफा बताया था. शक्ति ने कहा था, जो खूबियां उसके भीतर हैं, वो मुझमे भी नहीं. उससे बेहतर कोई नहीं है. उसका दिल सोने का है. इसके आगे शक्ति ने इस बात पर खुशी जताई थी कि इतनी सक्सेसफुल होने के बाद भी उनकी बेटी उनका कहना मानती है.

काम को लेकर पिता से सलाह लेती हैं श्रद्धा

शक्ति कपूर ने अपनी बेटी के प्रति काफी प्यार दिखाते हुए उनकी तारीफों के पुल बांधे थे. अभिनेता ने आगे कहा था, वो मेरी बात सुनती है और अपनी लाइफ के सभी अहम फैसले लेने से पहले मुझसे सलाह लेती है. उसने मुझे वो रिस्पेक्ट दी है. मुझे जीवन में कोई शिकायत नहीं है. भगवान ने मुझे एक परी दी है. वो मेरे लिए भगवान का दिया तोहफा है.

'स्त्री' से मिली थी अलग पहचान

श्रद्धा ने अपने 15 साल के करियर में 'आशिकी 2', 'एक विलेन', 'हैदर', 'एबीसीडी 2, 'बागी', 'छिछोरे' और 'साहो जैसी सफल फिल्में दी हैं. हालांकि 2018 की फिल्म 'स्त्री' ने उन्हें लग पहचान दिलाई थी. जबकि 2024 में आए इसके सीक्वल ने तो उन्हें काफी पॉपुलर कर दिया था. इस पिक्चर ने दुनियाभर में 857.15 करोड़ रुपये का रिकॉर्डतोड़ कारोबार किया था.

एक्ट्रेस नहीं तो क्या बनना चाहती थीं अनुष्का शर्मा? इस फील्ड में था करियर बनाने का सपना

एक अरसे से बड़े पर्दे से दूर अनुष्का शर्मा कभी बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस हुआ करती थीं. उन्होंने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत ही सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' से की थी. ये पिक्चर बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी. हालांकि आपको ये जानकार हैरानी होगी कि अनुष्का शर्मा कभी बॉलीवुड एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थीं, बल्कि वो तो कुछ और ही बनने के सपने देखती थीं.

बॉलीवुड में सफल डेब्यू के बाद अनुष्का शर्मा के कदम रुके नहीं और लगातार काम करती चली गईं. अनुष्का का करियर सफल रहा है और उन्होंने एक्टिंग करियर में बड़ा नाम कमाया है. लेकिन, अनुष्का खुद को कभी इस फील्ड में नहीं देखना चाहती थीं. आइए जानते हैं आखिर अनुष्का शर्मा क्या बनना चाहती थीं.

एक्ट्रेस नहीं तो क्या बनना चाहती थीं अनुष्का ?

अनुष्का शर्मा आर्मी बैकग्राउंड से संबंध रखती हैं. उनके पिता अजय कुमार शर्मा भारतीय सेना में कर्नल रह चुके हैं. जबकि एक्ट्रेस की मां आशिमा शर्मा हाउसवाइफ हैं. अनुष्का का जन्म 1 मई 1988 को भगवान राम की नगरी अयोध्या में हुआ था. अनुष्का ने एक्ट्रेस बनने के बाद एक इंटव्यू में कहा था कि जब वो बड़ी हो रही थी तब वो ना फिल्में देखती थीं और ना ही उन्हें फिल्मी दुनिया में आने का शौक था.

अनुष्का ने आगे कहा था कि वो अपना करियर मॉडलिंग में या पत्रकारिता की फील्ड में बनाना चाहती थीं. हालांकि उनकी किस्मत में पहले मॉडल और फिर एक्ट्रेस बनना ही लिखा था. मॉडलिंग में आगे बढ़ने के लिए वो मुंबई में शिफ्ट हो गई थीं. तभी उन्हें फिल्म का ऑफर मिल गया. एक्ट्रेस बनने से पहले बतौर मॉडल उन्होंने लैक्मे फैशन वीक से अपना रनवे डेब्यू किया और फिर ऑयल, शैंपू और ज्वेलरी के विज्ञापनों में भी काम किया.

फैमिली के साथ टाइम बिता रही हैं अनुष्का

अनुष्का की पर्सनल लाइफ की बात करें तो साल 2013 से उन्होंने भारत के सुपरस्टार क्रिकेटर विराट कोहली को डेट करना शुरू किया था. इसके बाद दोनों ने साल 2018 में धूमधाम से इटली में शादी रचा ली थी. अब दोनों एक बेटी वामिका कोहली और एक बेटे अकाय कोहली के पैरेंट्स हैं.

नींद खराब होने पर क्या करती हैं

हुमा कुरैशी

सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस ने किया था खुलासा

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'जॉली एलएलबी 2' जैसी सुपरहिट फिल्मों में नजर आने वाली एक्ट्रेस हुमा कुरैशी के चाहने वाले लाखों हैं. वो लाइमलाइट का ज्यादा हिस्सा नहीं बनती हैं, लेकिन अपने अभिनय से लोगों का दिल लेती हैं. हुमा कुरैशी इस साल यानी आज अपना 39वां बर्थडे मना रही हैं और इस उम्र में भी वो सिंगल लाइफ जी रही हैं. हुमा के अफेयर के किस्से भी बहुत कम सुनने को मिलते हैं, लेकिन जब उनकी कोई फिल्म या सीरीज आती है तो अपने अभिनय के लिए काफी सुर्खियां बटोर लेती है.28 जुलाई 1986 को नई दिल्ली में जन्मीं हुमा कुरैशी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत तमिल फिल्म बिल्ला 2 से की थी. हुमा को ये फिल्म ऑडिशन के बाद मिली थी जहां उन्होंने 700 लड़कियों को पीछे करते हुए लीड एक्ट्रेस की जगह बनाई थी. हुमा एक खुशमिजाज एक्ट्रेस हैं जिन्होंने एक बार इंस्टाग्राम पर बताया था कि उन्हें एक चीज खुशी देती है.

हुमा कुरैशी को क्या चीज देती है खुशी ?

2024 की शुरुआत में हुमा कुरैशी ने एक वीडियो शेयर किया था. वीडियो में ये था कि वो किसी एयरपोर्ट पर थीं और वहां रुकने के दौरान वो एक बुक शॉप पर गईं थीं. उस वीडियो को शेयर करते हुए हुमा ने कैप्शन में लिखा था, 'नींद चाहे कितनी भी खराब क्यों ना हो, इससे मुझे हमेशा खुशी मिलती है.' इससे पता चलता है कि हुमा को किताबों से बहुत प्यार है और खाली समय में वो बुक्स पढ़ना पसंद करती हैं.

इस पोस्ट में आप पढ़ सकते हैं कि वो किताबों से कितना प्यार करती हैं क्योंकि उन्होंने बुक्स पर एक लंबा पोस्ट शेयर किया था और उनके इस पोस्ट को फैंस ने खूब पसंद भी किया था. हुमा कुरैशी ने ये भी लिखा था कि किताबें महिलाओं की बेस्ट पार्टनर बन सकती हैं, लेकिन अगर कोई उसमें गहराई तक जा सके. किताबों से हर किसी को दोस्ती करनी चाहिए क्योंकि ये कभी कोई डिमांड या कंप्लेन नहीं करती. ये पोस्ट उस समय आया था जब वो अपनी वेब सीरीज 'महारानी 3' का प्रमोशन कर रही थीं.

पुलिस जिला नूरपुर द्वारा चलाया गया नशे के खिलाफ अभियान जोरो पर

दिव्य दिल्ली: विनय महाजन (नूरपुर)

पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के विरुद्ध चलाये गये अभियान के अन्तर्गत दिनांक 19.06.25 को नशा माफिया के खिलाफ बड़ी कार्यवाही अमल में लाते हुए पुलिस थाना नूरपुर के तहत कंडवाल बैरिअर में नाकाबंदी के दौरान गाड़ी न0 उछ10-उऊ922 में सवार हर्ष डोगरा पुत्र नरेश डोगरा व अक्षित रांचल पुत्र हर्षित कुमार व दुष्यंत पुत्र अश्विनी कुमार तीनों निवासी पठानकोट के कब्जे से 538 ग्राम चरस बरामद करने में सफलता प्राप्त की थी। जिस पर उपरोक्त तीनों आरोपियों के विरुद्ध थाना नूरपुर में अभियोग संख्या 127/25 दिनांक 19.06.25 अधीन धारा 20, 25, 29 एन डी एंड पी एस एक्ट मे पंजीकृत करके उपरोक्त तीनों

आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था' उपरोक्त अभियोग में नियमानुसार कार्यवाही करते हुए एक अन्य आरोपी नागेश कुमार पुत्र राम आसरे निवासी गांव नांगला, डा0 मोरचा पालियां, जिला लखीमपुर खीरी, उत्तर प्रदेश को दिनांक 22.06.25 को मणिकर्ण जिला कुल्लू से गिरफ्तार किया गया था व इसके कब्जे से 840 ग्रांम चरस को भी बरामद करने मे सफलता प्राप्त की थी। इस अभियोग में आरोपियों से की गई पूछताछ व तथ्यों की जाच के द्धारा यह पाया गया कि इसमें अन्य लोग भी शामिल हैं। जिनकी तलाश जिला पुलिस नूरपुर द्वारा विभिन्न- 2 स्थानों पर अमल में की जा रही थी। जिला पुलिस नूरपुर द्वारा पेशेवर ढंग से कार्यवाही करते हुए उपरोक्त अभियोग में वांछित एक अन्य आरोपी छोटे खाँ पुत्र इसलामुदीन निवासी गांव नांगला पलियाँ, डा0 व जिला लखीमपुर खीरी उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। जो उपरोक्त अभियोग में अभी तक कुल 01 किलो 378 ग्राम चरस बरामद की जा चुकी है व इस अभियोग में आगामी कार्यवाही नियमानुसार अमल में लाई जा रही है। यह जानकारी एक प्रेस नोट में जिला पुलिस अधीक्षक अशोक रत्न नूरपुर द्वारा दी गई है

नागपंचमी पर नगर व ग्रामीण अंचलों में हुई नाग देवता की पूजा

जालौन। नागपंचमी का त्योहार नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक ढंग से मनाया गया। इस मौके पर नागों की पूजा की गई। श्रावण शुक्ल पंचमी को नागपंचमी पर्व के रूप में मनाया जाता है। सनातन परंपरा में पंच तत्वों के साथ पशुओं, पेड़ों को भी पूजने की परंपरा है। इसी तरह नागों की पूजा का भी विशेष महत्व है। भगवान शिव तो उन्हें आभूषण की तरह गले में ही धारण करते हैं। नागों को एक मायने में इंसानों का मित्र माना जाता है। वे चूहों को खाकर उनकी संख्या सीमित रखते हैं। बड़ी संख्या में चूहे होने पर वे फसलों और अनाज को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

इसके अलावा बरसात के मौसम में नागों के घरों में पानी भर जाने के कारण वह जमीन पर विचरण करने लगते हैं।

न्यूज फ्लैश

किसानों के पास बीज खरीदने के पैसे नहीं है सरकार जल्द करें किसानों के गेहूं के पैसों की अदायगी

दिव्य दिल्ली: राम प्रकाश (ऊना)

उपमंडल अम्ब के तहत पड़ते गांव के कुछ किसानों ने कृषि विभाग अम्ब को एक पत्र दिया। जिसमें उन्होंने बताया है की कृषि विभाग टकारला विकासखंड अम्ब को उन्होंने अपनी गेहूं की फसल को दिए हुए लगभग तीन महीने हो चुके है। लेकिन अभी तक उस दी हुई गेहूं के पैसों की अदायगी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जैसे-तैसे करके सभी किसानों ने मक्के का बीज खरीद कर बीज लिया था। मक्के कि फसल के बाद आलू की फसल बिजली है। अब आलू की फसल को बीजने के लिए बीज खरीदने के पैसे उनके पास नहीं है। पैसों समय पर न मिलने से हमें अपना घर चलाने में भी काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। हम गरीब किसान है तथा हम अपनी फसल को बेच कर ही अपना गुजारा करते है। उन्होंने सरकार से विनती करते हुए कहा है कि हमारी गेहूं की फसल की अदायगी एक-दो दिन में करवा दी जाए। अन्यथा हमें अपना हक लेने के लिए सड़कों पर उतरना पडेगा। संदीप ठाकुर ने कहा कि कृषि विभाग का सभी किसानों को सदा सहयोग मिलता रहा है समय पर बीज दिए और गेहूं खरीदी जाती है इतने वर्षों में पहली बार ऐसा हुआ की समय पर हमारे पैसे का भुगतान न हुआ। इसमें प्रदेश सरकार का निकम्मापन है।

छात्रों को दी गई पॉक्सो एक्ट और सखी बैन स्टॉप सेंटर की जानकारी

दिव्य दिल्ली: करुनीत रंधावा (पठानकोट)

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सचिव रूपिंदर सिंह के निदेर्शानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पठानकोट द्वारा राजकीय उच्च विद्यालय सरना में प्रधानाध्यापक रविकांत के नेतृत्व में कानूनी साक्षरता पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें पैनल एडवोकेट रोमिका, पीएलवी विनोद कुमार और बाल संरक्षण विभाग से लवमीत कौर, दिशा ठाकुर ने विशेष रूप से भाग लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने छात्रों को पॉक्सो एक्ट के बारे में जानकारी दी और बुरे स्पर्श व अच्छे स्पर्श के बारे में जानकारी दी। वक्ताओं ने सखी बैन स्टाफ द्वारा उपलब्ध सहायता के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अगर कोई बच्चे के साथ गलत करता है, तो उसकी जानकारी प्रधानाचार्य, अभिभावकों या टोल फ्री नंबर 15100 से प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर पंकज कुमार, पवन कुमार आदि उपस्थित थे।

मोबाइल पासपोर्ट वैन सेवा के माध्यम से जनपद में ही पासपोर्ट बनवा सकेंगे जनपदवासी

चित्रकूट: अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम ने बताया कि नागरिकों को सुलभ पासपोर्ट सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय लखनऊ द्वारा मोबाइल पासपोर्ट वैन सेवा की शुरूआत की गई है। इसका उद्देश्य प्रदेश के दूर-दराज क्षेत्रों तक पासपोर्ट सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है, जहां अभी तक पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीएसके) या डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीओपी एसके) की सुविधा उपलब्ध नहीं है।बताया कि इसकी सुविधा की शुरूआत महोबा जिले से की जा चुकी है।

देस राज जैसे जांबाजों का बलिदान याद रखेगा हिंदुस्तान : डी.एस.पी सुखजिंदर

दिव्य दिल्ली: करुनीत रंधावा (पठानकोट)

दीनानगर पुलिस स्टेशन पर हुए फिदायीन हमले में वीरगति को प्राप्त होने वाले होमगार्ड की बटालियन नंबर एक के जवान देस राज का दसवां बलिदान दिवस प्रिंसिपल बलविंदर कुमार सैनी की अध्यक्षता में शहीद कैप्टन गुरबचन सिंह सलारिया परमवीर चक्र सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल गांव जंगल में आयोजित किया गया जिसमें डी.एस.पी सुखजिंदर सिंह व मार्किट कमेटी नरोट जैमल सिंह के चेयरमैन ठाकुर मनोहर सिंह बतौर मुख्य मेहमान शामिल हुए इसके अलावा शहीद की पत्नी सुदेश कुमारी, बेटा बलजिंदर कुमार, बहु रजनी देवी, शहीद सैनिक परिवार सुरक्षा परिषद के महासचिव कुंवर रविंद्र सिंह विक्की, शहीद की बटालियन के कंपनी कमांडर इंस्पेक्टर नवदीप कुमार, कंपनी कमांडर इंस्पेक्टर जोगिंदर सिंह व इंस्पेक्टर बबलू कुमार, आम आदमी पार्टी के ब्लॉक प्रधान पवन कुमार फौजी, समाज सेवक डा. राजिंदर शर्मा, एस.एम.सी के चेयरमैन सुरिंदर कुमार, परमवीर चक्र विजेता शहीद कैप्टन गुरबचन सलारिया के भतीजे सूबेदार कर्ण सिंह, शहीद सिपाही निशान सिंह शौर्य चक्र के भाई कैप्टन तरलोक सिंह, शहीद लांसनायक डिप्टी सिंह सेना मेडल के भतीजे वरिंदर सिंह, शहीद सिपाही मक्खन सिंह के पिता हंस राज, शहीद सिपाही जतिंदर कुमार के पिता राजेश कुमार आदि ने विशेष मेहमान के तौर पर शामिल होकर शहीद कांस्टेबल देस राज के बलिदान को नमन किया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि व अन्य मेहमानों ने शहीद की प्रतिमा समक्ष ज्योति प्रज्वलित व पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का आगाज किया समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डी.एस.पी सुखजिंदर सिंह ने कहा दस साल पहले दीनानगर पुलिस पर हुए फिदायीन हमले में उन्होंने खुद आर्तकियों का मुकाबला किया था लेकिन होमगार्ड के जवान देस राज उनसे एक कदम आगे बढ़ते हुए पाक प्रशिक्षित आर्तकियों से सीधे जा भिड़े और आमने सामने की लड़ाई में आर्तकियों की एक गोली इनका सीना भेदते हुए निकल गई जिससे भारत मां का यह वीर सपूत वतन पर कुर्बान हो गया गई ऐसे जांबाजों का बलिदान हिंदुस्तान लंबे समय तक याद रखेगा। डी.एस.पी ने कहा यह पहला ऑपरेशन था जिसे बिना सेना की सहायता से पंजाब पुलिस और होमगार्ड के जवानों ने सभी आर्तकियों को मौत की नींद बताते हुए अपनी वीरता का परिचय देकर अंजाम तक पहुंचाया। उन्होंने कहा सभी देशवासियों का यह फर्ज बनता है कि ऐसे शूरवीरों के बलिदान को अपने दिलों में संजो कर रखें और इनके परिजनों को उचित मान-सम्मान देकर इनके हौसलों को बुलंद रखें।

डाक विभाग का विशेष अभियान : 12 अगस्त तक खुलेंगे सुकन्या समृद्धि योजना के खाते

औरैया। बेटियों के उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखते हुए डाक विभाग ने विशेष अभियान शुरू किया है। 23 जुलाई से 12 अगस्त 2025 तक इटावा डाक मंडल (इटावा व औरैया जनपद) में सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत नए खाते खोलने का अभियान चलाया जा रहा है। अधीक्षण डाकघर इटावा/औरैया ने बताया कि यह योजना भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण बचत योजना है, जिसके माध्यम से माता-पिता या अभिभावक 10 वर्ष से कम आयु की बेटियों के नाम खाते खोल सकते हैं। एक परिवार अधिकतम दो बेटियों के नाम खाते खोलने का हकदार है।

हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड इंप्लाइज, इंजीनियर व पेंशनर्स की ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने प्रबंधन वर्ग को दो हफ्ते का नोटिस दिया

दिव्य दिल्ली: समित कुमार (हमीरपुर)

हिमाचल प्रदेश स्टेट इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड इम्प्लाइज, इंजीनियर व पेंशनर्ज की जॉइंट एक्शन कमेटी (खअउ) की जिला हमीरपुर इकाई ने जॉइंट एक्शन कमेटी के सयोंजक ई. लोकेश ठाकुर व सह संयोजक हीरा लाल वर्मा के खिलाफ प्रैस कॉन्फ्रेंस करने पर मेजर पेनल्टी के लिए चार्ज शीट फ्रेम करने के खिलाफ कड़ा विरोध किया। इसे प्रवंधन वर्ग द्वारा प्रताड़ना की भावना से ट्रेड यूनियन के अधिकारों पर बड़ा हमला बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे पहले प्रवन्धन वर्ग बोर्ड के कार्यालयों के बाहर कर्मचारी संगठनों द्वारा धरना प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा चुका है जो लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला है। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड कर्मचारी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष व ज्वाइंट एक्शन कमेटी जिला हमीरपुर के संयोजक कामेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि जॉइंट एक्शन कमेटी द्वारा जिला पंचायत के माध्यम से उठाई गई मांगो पर बैठक कर शीघ्र हल करने की भी मांग की गई। जॉइंट एक्शन कमेटी ने प्रवन्धन वर्ग को दो हफ्ते का नोटिस दिया है और फैसला लिया है कि यदि प्रवंधन वर्ग इस बीच इन कार्यलय आदेशों को वापिस नहीं करता और जॉइंट एक्शन कमेटी द्वारा दी गई मांगो पर वार्ता के लिए नहीं बुलाया जाता है तो 7 अगस्त को इन आदेशों के खिलाफ शिमला में हजारों कर्मचारी, अभियंता, पेंशनर्ज और आउटसोर्स कर्मचारी विशाल विरोध प्रदर्शन करगें और उसके बाद एक बड़े राज्य व्यापी एक्शन की ओर बढ़ने का भी फैसला लिया गया है।

भाजपा प्रवक्ता ने पूर्व मंत्री गंगूराम के नेतृत्व में पच्छाद क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार को भेजे गए ज्ञापन को भद्दा मजाक बताया

दिव्य दिल्ली: विजय आजाद (सिरमौर)

जिला भाजपा प्रवक्ता मेलाराम शर्मा और राजगढ़ भाजपा मंडल के अध्यक्ष सुरेश वर्मा ने जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं द्वारा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और पूर्व मंत्री गंगूराम मुसाफिर के नेतृत्व में पच्छाद क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए एसडीएम राजगढ़ के माध्यम से सरकार को भेजे गए ज्ञापन को हास्यास्पद और क्षेत्र की जनता के साथ भद्दा मजाक बताया है। भाजपा नेताओं ने पूर्व में विधानसभा अध्यक्ष और कांग्रेस सरकार में वरिष्ठ मंत्री रहे गंगूराम मुसाफिर के नेतृत्व में पच्छाद चुनाव क्षेत्र की समस्याओं के निवारण के लिए एसडीएम राजगढ़ से मिले प्रतिनिधि मंडल को क्षेत्र की जनता के साथ छलावा करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह हिमाचल के

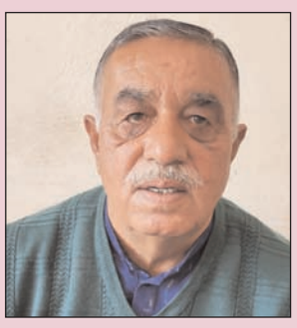

इतिहास में पहली वारदात है जब पूर्व में विधानसभा अध्यक्ष और वरिष्ठ मंत्री के पद पर रहने के बावजूद भी कोई नेता अपनी ही सरकार में मुख्यमंत्री और मंत्रियों को मिलने की बजाय अपने क्षेत्र की समस्याओं के निवारण का ज्ञापन एसडीएम के माध्यम से भेजने का नाटक कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उचित होता कि कांग्रेसी नेता गंगूराम मुसाफिर के नेतृत्व में मुख्यमंत्री और मंत्रियों से मिलकर क्षेत्र की समस्या का निवारण करते परंतु एसडीएम को ज्ञापन देने के मामले से यह साफ हो गया है कि कांग्रेसी नेता केवल और केवल नाटक ही कर रहे हैं और क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करवाना ही नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि सुक्खू सरकार में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गंगूराम मुसाफिर को ऐसी क्या नौबत आ गई कि उन्हें अपनी ही पार्टी की सरकार के सत्तासीन होते हुए समस्याओं के निवारण के लिए एसडीम राजगढ़ के माध्यम से ज्ञापन भेजना पड़ रहा है। इससे यह साफ तौर पर जाहिर हो गया है कि कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता और पूर्व में मंत्री रहे गंगूराम मुसाफिर को मुख्यमंत्री और सरकार के मंत्रियों से मिलने का समय भी नहीं दिया जा रहा है और मजबूरन उन्हें क्षेत्र की समस्याओं के निवारण के लिए अपनी ही सरकार के लिए एसडीएम के माध्यम से ज्ञापन देना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने हमेशा झूठ और छलावे की राजनीति की है और आम जनता को फिर से ठगने का प्रयास किया जा रहा है।

भाजपा नेताओं ने कहा कि क्षेत्र की पढ़ी-लिखी जनता अब कांग्रेसी नेताओं के नाटकीय झांसे में आने वाली नहीं है और गंगूराम मुसाफिर के लगभग 4 दशकों के दौरान उनकी छलावे और झूठ की राजनीति को अच्छी तरह समझ चुके हैं। उन्होंने कहा कि सिरमौर जिला के विकास के प्रति राज्य सरकार के उदासीन रवैये से आम जनता ही नहीं अपितु कांग्रेसी नेता भी परेशान है और 2027 के चुनाव में सिरमौर की जनता पांचों विधानसभा चुनाव क्षेत्रों में कांग्रेसी नेताओं और सुक्खू सरकार की झूठ की राजनीति का करारा जवाब देंगे

सोलन सब्जी मंडी में पहुंची सेब की अर्ली वैरायटी 33 करोड़ का हो चुका है

दिव्य दिल्ली: अमरप्रीत सिंह (सोलन)

सोलन सब्जी मंडी में पहुंची सेब की अर्ली वैरायटी 33 करोड़ का हो चुका है व्यापार आधुनिक मंडियो में शुमार सोलन की फल एवं सब्जी मंडी में निचले क्षेत्रों का सेब पहुंचना शुरू हो गया है। सोलन जिला के दाडलाघाट, देवठी, सिरमौर के कुछ क्षेत्र सहित मंडी जिला के क्षेत्र सहित करसोग ,ि ठयोग व कुल्लू जिला के आनी क्षेत्र का सेब फल मंडी सोलन में पहुंच रहा है। अभी तक सोलन मंडी में 2 लाख 73 हजार सेबी की पेटी पहुंच चुकी है। जिसका व्यापार 33 करोड़ का हो चुका है। एपीएमसी सोलन के सचिव अरुण कुमार शर्मा ने बताया कि सोलन सब्जी मंडी में निचले क्षेत्रों का अर्ली व्यारटी का सेब अब बडी मात्रा में पहुंचने लगा उन्होंने कहा कि इस सीजन में अभी तक प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से दो लाख 73 हजार सेबी पेटियां से 33 करोड़ का व्यापार हो चुका है। उन्होंने कहा कि सेब के दाम भी अच्छे है। व पिछले वर्ष के मुताबिक इस बार सेब अधिक मात्रा में पहुंचने का अनुमान उन्होंने बताया।

सोलन की सीवरेज व्यवस्था पर बड़ा कदम, उपमुख्यमंत्री को सौंपी गई 188.92 करोड़ की डीपीआर

दिव्य दिल्ली: अमरप्रीत सिंह (सोलन)

सोलन शहर की वर्षों पुरानी सीवरेज समस्या को सुलझाने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए आज स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री से शिमला में मुलाकात की। इस दौरान शहर के सीवरेज समस्या को लेकर 188.92 करोड़ रुपये की संशोधित डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) सौंपी गई।

गौरतलब है कि सोलन शहर को चार सीवरेज जोनों में विभाजित किया गया था, जहां चार सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एळढ) स्थापित किए जाने थे। पहले चरण में डी-जॉन के तहत शामती, साइंटिस्ट कॉलोनी, मधुबन कॉलोनी, और वार्ड 6, 9, 10, 11 व 15 का आंशिक क्षेत्र शामिल किया गया। वर्ष 2008 में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट के पहले चरण में कुल 1100 परिवारों को सीवरेज से जोड़े जाने का लक्ष्य था, लेकिन 2025 तक पहुंचते-पहुंचते मात्र 650 परिवार ही इस योजना से जुड़ पाए हैं। अब तक कुल कार्य का केवल 20 प्रतिशत ही संपन्न हो सकता है, जिससे आमजन में नाराजगी है। स्वास्थ्य मंत्री कर्नल शांडिल ने उप मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि शहर के विकास और नागरिकों के स्वास्थ्य की दृष्टि से यह परियोजना अत्यंत आवश्यक है।

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर राजगढ़ में संपन

दिव्य दिल्ली: विजय आजाद (राजगढ़)

समग्र शिक्षा अभियान के सौजन्य से कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय व कन्वे जीनियस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा चिरंजीवी होटल राजगढ़ में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आज संपन्न हो गया । इस प्रशिक्षण शिविर में शिक्षा खंड राजगढ़ , नौहराधार व नारंग के लगभग 65 अध्यापकों ने भाग लिया । यहां काबिले जिक्र हे समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत कान्वे जीनियस तथा कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के सहयोग से प्रदेश भर में 33,000 शिक्षकों को प्रशिक्षण देने का एक विशेष कार्यक्रम आरंभ किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के लगभग 50 प्रतिशत शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान जाना है। कान्वे जीनियस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की राजगढ़ में प्रशिक्षण शिविर की प्रशिक्षक सांजली ने यह जानकारी देते बताया कि यह प्रशिक्षण प्रदेश के प्रत्येक जिले में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें सतत और समग्र मूल्यांकन से संबंधित जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण सत्रों में शिक्षकों को बेहतर मूल्यांकन प्रश्न तैयार करने, मूल्यांकन की रूपरेखा तय करने और अध्ययन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सके। प्रभारी ने बताया कि सिरमौर जिले में प्रथम चरण का प्रशिक्षण पूर्ण होने की ओर है। राजगढ़ में आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में 65 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उन्होंने समयबद्ध रूप से जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए जिला तथा खंड स्तरीय अधिकारियों सहित शिक्षा विभाग का आभार व्यक्त किया। साथ ही समग्र शिक्षा अभियान का भी धन्यवाद किया, जिसकी सहायता से यह कार्यक्रम प्रदेश भर में क्रियान्वित किया जा रहा है।

मोहटली के गणित प्रवक्ता विजय ने नई दिल्ली में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2025 में भाग लिया

दिव्य दिल्ली: विनय महाजन (नूरपुर)

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और जीएसएसएस मोहटली के गणित प्रवक्ता विजय कुमार डोगरा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की 5वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित

अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2025 में भाग लिया।

इस भव्य राष्ट्रीय कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय राज्य शिक्षा मंत्री, हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और विभिन्न राज्यों के शिक्षा मंत्रियों की उपस्थिति में किया। इस समागम में कुलपतियों, केंद्रीय और राज्य शिक्षा सचिवों, विभिन्न संस्थानों के प्रख्यात शिक्षाविदों, नीति निमार्ताओं, राज्य परियोजना निदेशक राजेश शर्मा, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों, राष्ट्रीय मार्गदर्शक मिशन के सदस्यों, विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया ' सभी ने अपने विचार साझा किए और इस एन इ पी 2020 की प्रगति का जश्न मनाया।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397